मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक शुक्लपक्ष 9 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 51 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 फूहड़ता का आकर्षण और वर्चुअल समाज की विडंबना

इंडस्ट्री के उभरते कलाकारों को अजय देवगन की सलाह 6

बिहार विस चुनावः मोतीपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा-

कांग्रेस- आरजेडी ने किया छठी मइया का अपमान, बिहार की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी

कट्टा-क्रूरता-कटुता, कुशासन और करप्शन इनकी पहचान

मुजफ्फरपुरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने छठी मइया का अपमान किया है, जिसे बिहार की जनता कभी नहीं भूलेगी। पीएम मोदी ने आज मोतीपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छठ महापर्व के बाद यह उनकी पहली जनसभा है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व बिहार और देश का गौरव है। देश और दुनिया में छठ महापर्व मनाया जाता है। हम छठ के गीत सुनते हैं, तो भाव विभोर हो उठते हैं। छठी मइया

की पूजा में मां की भक्ति है। क्षमता, ममता और सामाजिक समरसता है। ये हमारी साझी विरासत का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि आपने देखा है कि आपका ये बेटा छठी मइया की जय-जयकार पूरी दुनिया में करा रहा है। लेकिन कांग्रेस और राजद के लोग छठी मइया का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा क्या कोई सिर्फ वोट पाने के लिए छठी मइया का अपमान कर सकता है। क्या बिहार, हिंदुस्तान और वो माताएं जो निर्जला व्रत रखती हैं, ऐसा अपमान बर्दाश्त करेंगी। छठी मइया का अपमान करने वालों को जनता जबाव देगी।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के नेता बेशर्मी से कह रहे हैं कि छठ पूजा एक नौटंकी है, एक ड्रामा है। उन्होंने पूछा क्या ऐसे लोगों को सजा नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा जो महिलाएं बिना पानी के इतना लंबा व्रत रखती हैं, जो गंगा जी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देती हैं, राजद और कांग्रेस के नेताओं की नजर में वो सब ड्रामा करती हैं। उन्होंने पूछा क्या बिहार की माताएं और बहनें छठी मईया का ये अपमान सहेंगी. उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि बिहार का कोई भी व्यक्ति इस अपमान को कभी नहीं भूलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार कोशिश कर रही है कि हमारे छठ महापर्व को यूनेस्को की सूची में शामिल किया जाए। इससे हर बिहारी को गर्व होगा, जब दुनिया में महान विरासत के तौर पर उसका नाम लिया जाएगा। हर हिंदुस्तानी को गर्व होगा।

ढाबे पर तोड़फोड़ और मारपीट, पुलिस पर किया हमला, 5 उपद्रवी गिरफ्तार

संवाददाता

हजारीबागः जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र में पुलिस बल पर हमला करने और सरकारी रायफल क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है।

5 व्यक्तियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया : पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना ग्राम गुंजरा मोड़ स्थित सचिन ढाबा के पास घटी, जहां उपद्रवियों ने ढाबा मालिक के साथ मारपीट और तोड़फोड़ की। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बरकट्ठा के नेतृत्व में गश्ती दल मौके पर पहुंचा। पुलिस द्वारा स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, लेकिन उपद्रवियों ने पुलिस बल पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में पुलिस अवर निरीक्षक चंदा उरांव सहित तीन अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमले के दौरान उपद्रवियों ने आरक्षी भुवनेश्वर महतो की इंसास रायफल छीनने का प्रयास भी किया। छीनने के क्रम में रायफल का मैगजीन टूटकर गिर गया और गोलियां जमीन पर बिखर गईं। भीड़ के अनियंत्रित होने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए 5 व्यक्तियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में अजीत कुमार यादव, पिता सीताराम यादव, शिव कुमार यादव, पिता इन्द्रदेव यादव, पवन कुमार यादव, पिता रामछतरू यादव, मुकेश कुमार शर्मा, पिता अर्जुन ठाकुर, मुन्ना कुमार यादव, पिता महादेव यादव - ग्राम चतरो, थाना बरही, जिला हजारीबाग के रहने वाले है। अपराधियों के पास से बोलेरो गाड़ी संख्या जेएच 02एवी-3055, स्विफ्ट कार संख्या जेएच02बीएन-4664, इलेक्ट्रिक स्कूटी संख्या जेएच 02 बीवी-8356 बरामद हुई है। घटना के संबंध में बरकट्ठा थाना कांड संख्या 149/2025 दर्ज किया गया है। इसमें उपद्रव मचाने, नाजायज मजमा लगाकर मारपीट करने, पुलिस कार्य में बाधा उत्पन्न करने, सरकारी रायफल क्षतिग्रस्त करने एवं विधि-व्यवस्था भंग करने से संबंधित धाराएं अंकित की गई हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना में शामिल अन्य 5 नामजद और अज्ञात अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने घटना में शामिल आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है।

राम मंदिर पर लहराएगा 11 किलो का ध्वज, निर्माण कार्य पूरा

26 नवंबर से पूरा मंदिर देख सकेंगे श्रद्धालु

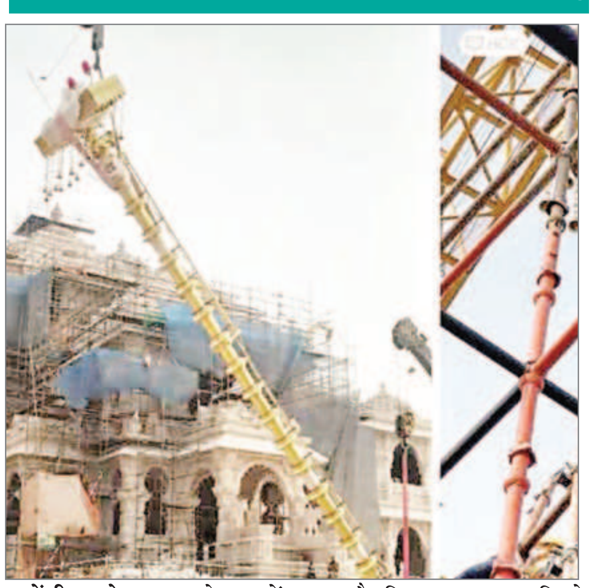

एजेंसी/अयोध्याः अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक साल नौ महीने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा फहराएंगे। केसरिया रंग की यह ध्वजा रामराज्य की परंपरा और मयार्दा का प्रतीक होगी। इस पर सूर्य, ऊं और कोविदार वृक्ष के चिह्न बने हैं। कोविदार अयोध्या का शाही वृक्ष है, जिसे कचनार भी कहा जाता है। मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर 42 फुट का स्तंभ लगाया गया है। इसी पर 22 फुट लंबी और 11 फीट चौड़ी भगवा पताका लहराएगी।

यह ध्वज पैराशूट फैब्रिक से बना है, जिसका वजन 11 किलो है। तेज हवाओं और आंधी-तूफान में भी इसे कोई नुकसान नहीं होगा। यह चारों ओर चक्कर लगा सकेगा यानी 360 डिग्री तक घूम सकेगा। ध्वजारोहण के बाद श्रद्धालुओं के लिए 70 एकड़ में फैले पूरे मंदिर परिसर को खोल दिया जाएगा। हालांकि ध्वजारोहण के दौरान 25 नवंबर को आम श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन बंद रहेंगे। ध्वजारोहण के आयोजन के लिए 10 हजार मेहमान बुलाए गए हैं और कुल 3000 रूम बुक किए गए हैं। ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित भक्त ही 25 नवंबर को रामलला के दर्शन कर सकेंगे।

अदालतों में आरोप तय करने में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

सुधार के लिए हम जारी करेंगे दिशा-निर्देश

चार्जशीट दाखिल होने के कई साल बाद भी शुरू नहीं होता मुकदमा

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई ऐसे केस हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल हुए तीन-चार साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार कर रही है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त किया जा सके।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को एमिक्सक्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी इस विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है।

पीठ एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तो हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा।

नदी में पलटी नाव, एक महिला का शव मिला, आठ लापता

बहराइचः उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के सुजौली क्षेत्र के अंतर्गत कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ के जंगल में बसे भारत के अंतिम गांव भरथापुर में बुधवार देर शाम नाव पलटने में कौडियाला नदी में डूबी एक बुजुर्ग महिला का शव मिल गया है जबकि पांच बच्चों समेत आठ अन्य की तलाश जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने बताया कि लखीमपुर खीरी जिले से सटे बहराइच जिले के आखिरी गांव भरथापुर के ग्रामीण लखीमपुर में भरतिया गांव खरीददारी करने गये थे। वापस लौटते समय नदी तट से कुछ दूरी पर उनकी नाव लकड़ी के बड़े टुकड़े से टकरा कर अंसतुलित होकर पलट गयी। नाव में कुल 22 लोग सवार थे जिनमें से 13 व्यक्तियों को बाहर निकाल लिया गया है।

रियो डी जेनेरो में मौत का मंजर

सड़कों पर 100 से ज्यादा लाशें, पुलिस और ड्रग्स कार्टेल की जंग जारी

ब्राजीलः ब्राजील की राजधानी रियो डी जेनेरो में हाल ही में हुई पुलिस कार्रवाई ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया। ड्रग्स कार्टेल के खिलाफ यह अभियान अब तक का सबसे बड़ा माना जा रहा है। इस हिंसक एनकाउंटर में 119 लोग मारे गए, और मृतकों के परिवारों ने सड़क किनारे उनके शव कतारों में रख दिए, जिससे पूरे शहर में भय और सदमे का माहौल बन गया।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा भी इस आंकड़े को देखकर स्तब्ध रह गए। वहीं, संयुक्त राष्ट्र और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई पर चिंता जताई है, जबकि रियो की प्रांतीय सरकार इसे बड़ी सफलता बता रही है। यह कार्रवाई सीओपी 30 ग्लोबल क्लाइमेट चेंज मीटिंग से कुछ दिन पहले अमेजन शहर बेलेम के आयोजन से पहले की गई।

स्थानीय लोगों ने बताया नरसंहार : रियो की एक स्थानीय महिला ने मीडिया को बताया कि यह कोई साधारण पुलिस ऑपरेशन नहीं था। उनका कहना था कि पुलिस सीधे लोगों को मारने आई थी। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर के दौरान एक व्यक्ति का सिर कट गया और दूसरे का चेहरा पूरी तरह से विकृत हो गया। शवों को सड़क किनारे कतार में रखा गया।

ऑपरेशन की व्यापकताः इस अभियान में 2500 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हुए। बख्तरबंद गाड़ियाँ और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके ड्रग्स कार्टेल के ठिकानों पर हमला किया गया। वहीं, ड्रग्स कार्टेल ने पुलिस पर बम और ड्रोन से हमला किया। पुलिस ने ऑपरेशन के दौरान बसों को जब्त कर राजमार्गों पर बैरिकेड बनाने के लिए उपयोग किया।

सरकारी प्रतिक्रियाः राज्य के गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो ने इस रेड को नार्कोटेररिज्म के खिलाफ सफलता बताया और कहा कि ऑपरेशन में चार पुलिसकर्मी भी मारे गए। वहीं, राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने बताया कि केंद्रीय सरकार को इस ऑपरेशन की पूर्व जानकारी नहीं थी। केंद्रीय कानून मंत्री रिकार्डो ने कहा कि राष्ट्रपति मौतों की संख्या जानकर हैरान रह गए।

छह साल बाद बुसान में मिले ट्रंप और जिनपिंग

अमेरिका ने चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ घटाया

नई दिल्लीः छह साल की दूरी, अनगिनत आरोप और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग फिर आमने-सामने आए।

दक्षिण कोरिया के बुसान में चल रहे एपीईसी शिखर सम्मेलन में हुई यह मुलाकात वैश्विक राजनीति की दिशा तय कर सकती है। 2019 में जापान के ओसाका में हुई पिछली भेंट के बाद यह पहली बार है जब दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। ऐसे में यह मीटिंग सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि वैश्विक समीकरणों को हिला देने वाली साबित हो सकती है।

दक्षिण कोरिया अमेरिका में 350 अरब डॉलर का करेगा निवेश : अमेरिका के राष्ट्रपति का ली के साथ बैठकों का उद्देश्य उस समझौते को अंतिम रूप देना है, जिसके तहत दक्षिण कोरिया अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इस समझौते में अमेरिका द्वारा लगाए गए आयात शुल्क को 25 से घटाकर 15 प्रतिशत करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। ट्रंप अपने सहयोगी देशों से लगातार रक्षा क्षेत्र में निवेश और आपसी साझेदारी को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण चर्चाएं होने की उम्मीदः ऐसे में, ट्रंप कीली के साथ रक्षा क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण चर्चाएं होने की उम्मीद है। दोनों नेता जहाज निर्माण में भी सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण समझौते कर सकते हैं। इस साल की शुरूआत में, दक्षिण कोरिया की जहाज निर्माण कंपनी हनवा ओशन ने अमेरिका में फिली शिपयार्ड का अधिग्रहण किया था। यह कंपनी अमेरिकी जहाज निर्माण में पांच अरब डॉलर के निवेश योजना बना रही है। ट्रंप ने बुसान में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, ' चीन के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमारे देश और दुनिया के लिए बहुत अच्छे परिणाम सामने आएंगे।'

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने टोक्यो में पत्रकारों से बात करते हुए मंगलवार को कहा था कि अगर चीन फेंटेनाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के निर्यात को सीमित करने पर सहमत हो जाता है, तो अमेरिका चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर शुल्क कम कर सकता है। वर्तमान में यह शुल्क 20 प्रतिशत है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप और शी के बीच आखिरी आधिकारिक मुलाकात 2019 में हुई थी। ऐसी स्थिति में दोनों के बीच यह भेंट दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने में मदद कर सकती है। विशेषज्ञों ने हालांकि चेतावनी दी कि दोनों देश सभी व्यापार विवादों को पूरी तरह से हल नहीं कर पाएंगे। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने हाल ही में टैरिफ, टिकटॉक और दुर्लभ मृदा खनिज सहित प्रमुख मुद्दों को हल करने वाले एक ढांचे पर सहमति व्यक्त की है।

समाचार सार

अजीत बोदरा का बेंगलुरु सड़क हादसे में निधन, गांव में हुआ अंतिम संस्कार

तोरपा : तोरपा प्रखंड स्थित फटका गांव निवासी लगभग 27 वर्षीय अजीत बोदरा का अंतिम संस्कार बुधवार शाम चार बजे उनके पैतृक गांव में विधि-विधान से संपन्न कराया गया। अजीत की मृत्यु सोमवार को बेंगलुरु में एक सड़क दुर्घटना में हो गई थी।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि अजीत पिछले पांच वर्षों से बेंगलुरु में एक निजी कंपनी में मजदूरी कर रहे थे। दुर्भाग्यपूर्ण घटना उस समय घटी जब वे सोमवार को अपने साथियों के साथ बाजार जाने के लिए ट्रैक्टर में सवार हुए। वापसी के दौरान वे ट्रैक्टर से गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

अजीत का शव बुधवार को फ्लाइट के माध्यम से रांची लाया गया, जहां से उन्हें उनके गांव ले जाया गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि अजीत एक मेहनती और परिवार का ख्याल रखने वाले युवा थे।

इस दुर्घटना ने एक बार फिर शहरों में मजदूरी करने वाले प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा के मुद्दे को चिंता का विषय बना दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस तरह की घटनाओं पर रोकथाम के उपाय करने की मांग की है।

गैर-बैंकिंग कंपनियों के खिलाफ जुलूस-प्रदर्शन कल, जमाकर्ताओं से भाग लेने की अपील

खूंटीः झारखंड नवनिर्माण दल व नन-बैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच खूंटी जिला के तत्वावधान में 31 अक्टूबर, 2025 को सहारा इंडिया, एपीलाइन, पल्स समेत विभिन्न कंपनियों में अपना पैसा जमा करा चुके लोगों के भुगतान की मांग को लेकर एक बड़े जुलूस-प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

यह जुलूस 31 अक्टूबर को सुबह 11 बजे खूंटी कचहरी मैदान के पास से शुरू होकर उपायुक्त कार्यालय तक जाएगा। आयोजकों ने सहारा इंडिया, एपीलाइन, साई प्रकाश, विश्वामित्र, बारिश, वेलफेयर, पल्स, बेड़ो बैंक आदि कंपनियों में अपनी जमा पूंजी फंस चुके हजारों जमाकताओं से इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है। झारखंड नवनिर्माण दल के जिला समिति ने बताया कि इस आयोजन में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के झारखंड प्रभारी एवं झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह तथा केंद्रीय समिति सदस्य सुकरा मुंडा मुख्य रूप से शामिल होंगे। दल के वरिष्ठ नेता विजय सिंह ने आरोप लगाया, केंद्र और राज्य सरकार की उदासीनता के कारण कंपनियां गरीबों के हजारों करोड़ रुपये लेकर चुप बैठी हैं। खूंटी जिले के आदिवासी-मूलवासियों के करोड़ों रुपये इन कंपनियों में फंसे हैं। श्री सिंह ने स्पष्ट कहा कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। जिला प्रभारी प्रेमचंद तिग्गा ने बताया कि जिले भर में इस सांकेतिक प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है।

कौलेश्वरी के तलहटी हटवारिया पहुंचे एसडीओ और एसडीपीओ सुरक्षा व्यवस्था पर दिए कई दिशा निर्देश

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के कौलेश्वरी पहाड़ पर छठ महापर्व के समाप्त होते ही मां कौलेश्वरी के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। विधि व्यस्था और श्रद्धालुओं को समुचित सहूलत का निरीक्षण करने कौलेश्वरी विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह एसडीओ मोहम्मद जहूर आलम सदर एसडीपीओ संदीप सुमन,एसडीपीओ वसीम रजा दल बल के साथ पहुंचकर बारीकी से जायजा लेते हुए प्रतिनियुक्त कई दंडा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। एसडीओ ने कहा है कि बिजली पानी और साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने का आदेश दिया गया है ताकि किसी भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि अचानक मौसम बदलने और लगातार हो रही वर्षा से विधि व्यस्था में बाधा उत्पन्न हुआ है। फिर भी प्रशासन और पुलिस प्रशासन इस मुसलाधार वर्षा में भी अपने अपने दायित्वों का भली भांति निर्वहन कर रहे हैं। वर्षा के कारण जाम की समस्या उत्पन्न हुई है। कई किलोमीटर पैदल चल कर आना पड़ रहा है। लाखों की भीड़ और हजारों गाड़ियां सड़क पर है। गाड़ी खेत में नहीं लग पा रही है क्योंकि जमीन धंस सकती है।इस लिए जाम की समस्या उत्पन्न हुई है फिर भी सब कुछ नियंत्रण में है। श्रद्धालुओं के सुरक्षा और सहूलत के लिए जिला से अतिरिक्त पुलिस बल को मंगाया गया है। संबंधित विभागों को सचेत रहने को कहा गया है गाड़ियों की लम्बी कतार के कारण अधिकारियों की गाड़ियां और एम्बुलेंस बीच में ही खड़ी है। किसी भी प्रकार की परेशानियों से निबटने के लिए प्रशासन पूरी तरह से तत्पर्य है।जगह जगह पर पुलिस तैनात किया गया है वहीं श्रद्धालुओं की भीड़ के नियंत्रण को लेकर ड्रोन कैमरा से निगरानी कि जा रही थी। इसे लेकर सीओ रितिक कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा, थाना प्रभारी प्रभात कुमार, जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह,संजय कुमार सिंह और कौलेश्वरी विकास प्रबंधन समिति के सदस्य कौशलेंद्र कुमार सिंह,अमरेंद्र कुमार केशरी और रविन्द्र कुमार रवि के अतिरिक्त कई अधिकारी और कर्मचारी सुचारु ढंग से सम्पन्न कराने में तत्पर्य नजर आए। बताया जाता है कि इस मौके पर बिहार झारखंड उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त कई राज्यों से लोग दर्शन करने आते हैं। मनोकामना पूर्ण होने पर मुंडन करने और विवाह उपरांत भी श्रद्धालु आते हैं।पुत्र और विवाह में अच्छा वर की कामना पूर्ण होने पर दर्शन और खस्सी का बलि देने का परम्परा भी रहा है।

हेमंत सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में

29 नवंबर को 10 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देंगे मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांचीः हेमंत सोरेन सरकार अपने दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष नवंबर महीने में पूरा कर रही है। सरकार के एक साल पूरे होने के मौके पर हेमंत सोरेन राज्य के अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्रों का वितरण करने वाले है। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने का इंतजार करने वाले अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है कि राज्य में जल्द ही नौकरियों की बारिश होने जा रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 नवंबर को सहायक आचार्य सहित विभिन्न पदों के लगभग 10 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। 18 नवंबर को शुरू हो रहे आपकी योजना-आपकी सरकार कार्यक्रम का इस दिन समापन होना है। साथ ही हेमंत सोरेन सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष का कार्यकाल भी पूरा हो रहा है। इस अवसर पर रांची में आयोजित होनेवाले एक बड़े कार्यक्रम में इन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा, उनमें सहायक आचार्य के लगभग आठ हजार अभ्यर्थी भी शामिल हैं। पहले यह कार्यक्रम छह नवंबर को सरायकेला में आयोजित होनेवाला था। अब यह कार्यक्रम रद कर 29 नवंबर को अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम में जेपीएससी से सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से चयनित विभिन्न सेवाओं के 342 अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र दिया जा सकता है।इनके अलावा दंत चिकित्सकों एवं अन्य पदों के लिए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। कार्मिक, उद्योग, स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों के विभिन्न पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों को एक साथ नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा।

29 नवंबर को राज्य के सभी जिलों के इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्यों, स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों में गणित-विज्ञान, भाषा और सामाजिक विज्ञान के सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा। बताते चलें कि राज्य सरकार ने दो चरणों में 1218 सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपा है। इसमें 1040 गणित-विज्ञान के स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों को और गोड्डा के 170 इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। अब छठी से आठवीं के स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य में गणित-विज्ञान विषय के 414, भाषा के 813, सामाजिक विज्ञान के 2,718 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 4,263 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा जाना है। इसके अलावा सहायक आचार्य के संशोधित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग और प्रमाणपत्रों के जांच के बाद साथ में ही नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

लाभुकों को योजना से लाभान्वित करने का निर्णय

संवाददाता

चतराः समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में शनिवार को उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 43 लाभुकों को योजना से लाभान्वित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। स्वीकृत लाभुकों में पिछड़ा वर्ग के 24, अनुसूचित जाति के 11 एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के 08 लाभुक शामिल हैं। प्रखंडवार प्रस्तावों पर विचार किए जाने के उपरांत सर्वाधिक 20 लाभुक चतरा प्रखंड से चयनित हुए। इसके अतिरिक्त हंटरगंज से 9, लावालौंग से 5, गिद्धौर से 2, कान्हाचट्टी से 2 तथा इटखोरी, प्रतापपुर, पत्थलगड्डा, सिमरिया एवं टंडवा प्रखंड से एक-एक लाभुक के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।योजना के अंतर्गत बीमारी के इलाज उपरांत लाभुकों को अतिरिक्त पोषक आहार हेतु राशि उनके बैंक खाते में सीधे अंतरित की जाती है। निर्धारित प्रावधान के अनुसार, 18 वर्ष से कम आयु के लाभुक को यदि 7 दिनों से कम अवधि के लिए अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता है तो 1,500 रुपये तथा 7 दिनों से अधिक भर्ती रहने पर 2,500 रुपये प्रदान किए जाते हैं। वहीं, 18 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क लाभुक को क्रमशः 3,000 रुपये एवं 5,000 रुपये की राशि दी जाती है। कैंसर पीड़ित लाभुकों के लिए विशेष रूप से 18 वर्ष से कम आयु वाले को 15,000 रुपये तथा वयस्कों को 25,000 रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, सिविल सर्जन चतरा डॉ. जगदीश प्रसाद, चतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि सौरभ अग्रवाल एवं सिमरिया-बड़कागांव विधानसभा क्षेत्रों के विधायक प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में संचालित समाज कल्याण योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा

चतराः समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मातृ वंदना योजना, सावित्री बाई फुले योजना, आंगनबाड़ी सेवाओं तथा पोषण कार्यक्रमों की स्थिति पर विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली गई।उपायुक्त ने मातृ वंदना योजना में अपेक्षा के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर स्पष्ट नाराजगी व्यक्त करते हुए 15 दिनों के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। सावित्री बाई फुले योजना के अंतर्गत 18-19 वर्ष की सभी पात्र युवतियों के लंबित आवेदनों को शीघ्र सीडीपीओ लॉगिन से स्वीकृत करने और आगामी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान व्यापक जन-जागरूकता के साथ अधिक आवेदन संग्रहित करने के निर्देश दिए। सेविका-सहायिका के रिक्त पदों को अगली बैठक से पूर्व भरने तथा सभी पेंडिंग कार्यों को समयसीमा में पूर्ण कर प्रखंड स्तरीय समीक्षा की प्रतिलिपि जिला समाज कल्याण कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया। लगातार असंतोषजनक कार्य करने वाली सेविकाओं के विरुद्ध स्पष्टीकरण की कार्यवाही करते हुए तीन बार चेतावनी के बाद चयनमुक्त करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस हेतु अनुमानित बजट उपलब्ध कराने तथा आंगनबाड़ी भवन निर्माण के संबंध में एक सप्ताह के अंदर ग्राम सभा कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। बैठक से लगातार अनुपस्थित रहने पर चतरा ग्रामीण की सीडीपीओ से स्पष्टीकरण तथा जवाब तलब किया गया।समर अभियान के तहत कुपोषित बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग को सख्ती से सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को एमटीसी केंद्रों में गंभीर कुपोषित बच्चों के नियमित भर्ती व मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी निभाने को कहा गया। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रेणु रवि, जिला क्षेत्रीय प्रबंधक (समर अभियान) शंभू बड़ाईक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

उम्र कैद की काट रहे आरोपी की मौत पर हंगामा, ग्रामीणों ने शव लेने से किया इंकार

चंद्रेश शर्मा/प्रवीण सिंह

- रेप के बाद जिंदा जलाने के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहा था मृतक
- पुलिस जिंदा ले गई थी, मरा हुआ क्यों लाई? ग्रामीणों ने चबूतरे पर छोड़ा शव
- पंचायत के फैसले के बाद हुई थी किशोरी की हत्या, 18 लोगों को मिली थी उम्र कैद
- गांव की महिलाओं का सवाल- 'अंतिम संस्कार के लिए गांव में कोई मर्द नहीं, अब क्या करें?',मृतक की पत्नी भी छोड़ चुकी है गांव
- थाना प्रभारी ने कहा 'मामला कोर्ट में है, हम कुछ नहीं कर सकते', प्रशासन ने परिजन को दी सांत्वना

चतराः जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के कोनी पंचायत अंतर्गत राजा केंदुआ गांव में 2018 के बहुचर्चित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक नया और मार्मिक घटनाक्रम सामने आया है। वर्ष 2018 में प्रेम प्रसंग और पंचायत के विवाद के बाद एक किशोरी को तेल छिड़ककर जिंदा जला दिया गया था। इस मामले में कोर्ट द्वारा हजारीबाग सेंट्रल जेल में उम्र कैद की सजा काट रहे 18 ग्रामीणों में से एक आरोपी सीटन भुइयां पिता सुरेश भुइयां की तबीयत खराब होने के बाद रांची,रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई है। हजारीबाग पुलिस बीते मंगलवार की रात मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजन के घर सौंपने आई थी। लेकिन, बुधवार की अहले सुबह से यह मामला तब गंभीर हो गया, जब मृतक के शव को गांव के एक चबूतरे पर रखकर छोड़ दिया गया। मृतक के महिला परिजनों और गांव की महिलाओं ने शव को स्वीकार करने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। उनका तर्क दिल दहला देने वाला है। महिला परिजनों का कहना है कि हम लोगों ने अपने पति/बेटे को पुलिस को जिंदा सौंपा था, तो फिर पुलिस हमारे पति का शव लेकर गांव क्यों आई है? इस गांव में अब एक भी मर्द नहीं है जो इनके शव का अंतिम संस्कार कर सके। पुलिस 8 साल पहले सभी गांव वालों (पुरुषों) को जेल में भेज चुकी है, जिन्हें कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। ऐसे में महिलाओं द्वारा अकेले अंतिम संस्कार कर पाना मुश्किल है। गांव को मर्दहीन गांव' बताते हुए महिलाओं ने मांग की है कि इस पूरे मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए, ताकि मामले की सही जानकारी सामने आ सके। जानकारी के अनुसार, मृतक शीतल भुइयां की पत्नी भी पति को उम्र कैद की सजा होने के बाद किसी अन्य के साथ विवाह करके गांव छोड़ चुकी है। मामले की जानकारी होते ही इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह और इटखोरी बीडीओ सोमनाथ बंकिरा गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वाना दी। थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने परिजनों से कहा कि इस मामले में अब हम लोग कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि पुलिस के द्वारा केस को डिस्पोजल कर दिया गया है और यह मामला कोर्ट में चल रहा है। बरहाल, हम लोग परिजन को सांत्वना ही दे सकते हैं। इस मामले में डीएसपी (मु) अमिता लकड़ा से बात किए जाने पर उन्होंने कहा कि यह मामला अब पुलिस के क्षेत्राधिकार में नहीं है। यह केस वर्ष 2018 का है, ऐसे में पुलिस के पास इस मामले में अभी कोई उत्तर नहीं है। यह मामला कोर्ट में चल रहा है, तो इसका जवाबदेह कोर्ट और जेल अधीक्षक ही होंगे। ज्ञात हो कि वर्ष 2018 में यह मामला तब शुरू हुआ था जब मृतक सीटन भुइयां के बड़े भाई धनु भुइयां का कथित तौर पर गांव की एक किशोरी रानी कुमारी से प्रेम प्रसंग था। पंचायत ने फरमान सुनाया था कि लड़का, लड़की को रखेगा, लेकिन बाद में आरोपियों ने किशोरी को जिंदा जला दिया था। इस मामले में कोनी पंचायत के मुखिया और सरपंच (तिलेश्वरी देवी) सहित 20 लोगों पर मामला दर्ज हुआ था। मुखिया और सरपंच तीन महीने सजा काटकर जमानत पर बाहर आ गए थे, जबकि 18 ग्रामीणों को कोर्ट द्वारा उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी, जिनमें से एक की अब जेल में मौत हो गई है।

कौलेश्वरी पहाड़ से लापता हुआ 5 वर्षीय मासूम,परिजनों ने पुलिस से लगाई खोजबीन की गुहार

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत विश्व ख्याति प्राप्त तीन धर्मों के संगम स्थल कौलेश्वरी पहाड से एक 5 वर्षीय मासूम मंगलवार को रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। मासूम की पहचान थाना क्षेत्र के लेंजवा पंचायत अंतर्गत कोसमाही गांव निवासी बाढ़ो यादव के 5 वर्षीय मासूम शुभम कुमार बताया जाता है। परिजन उसकी तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिजनों का रो रो बुरा हाल है। मासूम शुभम के पिता ने बताया कि शुभम को मुंडन संस्कार को लेकर कौलेश्वरी माता की मंदिर गए हुए थे। पूजा अर्चना के बाद जब पहाड़ से सपरिवार लौट (उतर) रहे थे। उसी दौरान एक अजनबी ने भीड़ रहने के कारण कहा कि मेरे साथ इसे जाने दीजिए पहाड़ के नीचे उतरने के बाद आपको दे देंगे भीड़ ज्यादा है। मैं उस अजनबी के झांसे में आकर अपने बच्चे को उसको सुपुर्द कर दिया। जब सपरिवार पहाड़ के तलहटी पर पहुंचे तो उस अजनबी व्यक्ति और अपने बच्चे को गायब पाया। वही काफी खोजबीन के बाद जब कोई जानकारी नहीं मिली। तब थक हार कर घटना की सूचना हंटरगंज थाना को भी दी है। पुलिस इस मामले की जांच भी कर रही है। उन्होंने पुलिस से खोजबीन की गुहार लगाई है।

चतरा पुलिस को आपराधिक गिरोह के खिलाफ मिली बड़ी सफलता

चतराः चतरा पुलिस ने कोयलांचल क्षेत्र में सक्रिय अपराधिक गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को मंगलवार की देर रात मिली गुप्त सूचना के आधार पर आपराधिक संगठन राहुल सिंह गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह के लोग पिपरवार थाना क्षेत्र के कारो मैदान के पास एकत्रित हुए है तथा किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं तथा उनके पास अवैध पिस्टल एवं गोली है। सूचना के आधार पर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 28 व 29 सितम्बर की रात्री को कारो मैदान के पास छापामारी कर राहुल सिंह गिरोह के चार गुर्गो को 02 अवैध पिस्टल, 10 जिंदा गोली व पर्चा के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सदर्भ में पिपरवार थाना कांड सं0 32/2025 दिनांक 29/10/25 धारा 111(2)/111(3)/111(4)/61(2) /3(5) बीएनएस व 25(1-ए)/25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज कर अग्रतर अनुसंधान एवं छापामारी की जा रही है ।

बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाए जाने पर हाईकोर्ट गंभीर

अधिकारियों को लगाई फटकार

संवाददाता

रांची : रांची और चाईबासा में बच्चों को खून चढ़ाने के बाद उनके एचआइवी पॉजिटिव होने के मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है।

हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है और ऐसी घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए सरकार को तत्काल इसे रोकने के लिए एक्शन लेने का निर्देश दिया है।

गुरुवार को हाईकोर्ट के समक्ष स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, और ड्रग कंट्रोलर सशरीर उपस्थित थे।

हाईकोर्ट ने उक्त अधिकारियों को शपथ पत्र दाखिल कर सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में ब्लड डोनेशन कैंप का ब्यौरा मांगा है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य के अस्पतालों में कितने रक्त की आवश्यकता है और कितना उपलब्ध हो पा रहा है, इसकी जानकारी देने का निर्देश दिया है।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की सीआईआई जांच के लिए दायर याचिका पर हाईकोर्ट में अब सुनवाई शुक्रवार को

रांची : जेएसएससी सीजीएल (कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा) में कथित पेपर लीक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच कराने की मांग के लिए दायर याचिका पर हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई जारी रहेगी। बुधवार को हुई लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए गुरुवार का समय तय किया था। लेकिन सरकार और सफल अभ्यर्थियों की ओर से बहस में ज्यादा समय लगने का अंदेशा को देखते हुए कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए शुक्रवार की तारीख निर्धारित कर दी है।

शराब घोटाला : आईएएस मनोज कुमार से हुई पूछताछ

संवाददाता

रांची : झारखंड शराब घोटाला मामले में एसीबी ने उत्पाद सचिव रह चुके आईएएस अधिकारी मनोज कुमार से पूछताछ शुरू कर दी है। एजेंसी ने उनसे बुधवार को भी दिन भर पूछताछ की थी। इस दौरान मनोज कुमार से कई सवाल पूछे गए थे, जिनका उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इसके बाद उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है।झारखंड शराब घोटाले में एसीबी ने सबसे पहले पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे को गिरफ्तार किया था। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स

विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज जैसी कंपनियों ने 2023 से फर्जी गारंटी के जरिए काम शुरू किया, जिससे सरकार को 38 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ। इतना ही नहीं छत्तीसगढ़ की दो कंपनियों मेसर्स दीशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स ओम साईं बिवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड को बिना मंत्री की जानकारी के 11 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया, जबकि इन कंपनियों पर 450 करोड़ रुपये का बकाया था। यह भुगतान मनोज कुमार के सचिव रहते हुआ था।

मुख्यमंत्री से मिला लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ का प्रतिनिधिमंडल

अंतरराष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन में शामिल होने का दिया निमंत्रण

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

मौके पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अवगत कराया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोहराय कुनामी (कार्तिक पुणीर्मा) के शुभ अवसर पर लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़, टीटीपीएस ललपनिया बोकारो में आगामी 03, 04 एवं 05 नवम्बर 2025 को 'अंतरराष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन-2025' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने मुख्यमंत्री सोरेन को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ के अध्यक्ष बबुली सोरेन, सचिव लोबिन मुर्मू सहित मिथिलेश किस्कू, बिंदे सोरेन (मांझी बाबा, जमशेदपुर), सुरेन्द्र टुडू, बुधन सोरेन, सुखराम बेसरा, मेघराज मुर्मू, संतोष हेंब्रम एवं अन्य उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पैतृक मैपिंग को लेकर की समीक्षा बैठक

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

मेट्रो रेज

रांची: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चलाए जाने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं को कम से कम दस्तावेज समर्पित करने पड़ें, इसके लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की 'पैतृक मैपिंग' का कार्य त्रुटिरहित ढंग से और तेजी से पूरा किया जाए। ?श्री के. रवि कुमार गुरुवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं हेल्प डेस्क मैनेजर के साथ समीक्षा बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मैपिंग के कार्य को गति देने के उद्देश्य से सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पंचायत स्तर पर और शहरी क्षेत्रों में सभी वार्ड स्तर पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएँ। इन कैंपों में संबंधित मतदान केंद्रों के सभी बूथ लेवल ऑफिसर अनिवार्य रूप से शामिल हों। बीएलओ द्वारा 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं को श्रेणीवार अधिकतम भौतिक रूप से मैप किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि भौतिक रूप से सत्यापित किए गए सभी श्रेणी के मतदाताओं का विवरण बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत दर्ज किया जाए और डिजिटल मैपिंग सुनिश्चित की जाए ताकि गहन पुनरीक्षण के कार्य के लिए त्रुटिरहित डेटा उपलब्ध हो सके।के. रवि कुमार ने कहा कि कैंप बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि इन स्थलों पर हाई स्पीड इंटरनेट की पर्याप्त सुविधा हो।उन्होंने कहा कि इन कैंपों में आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर ऑपरेटरों की उपलब्धता सुनिश्चित करे। यह गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ईसीआईएनईटी पर उपलब्ध ₹बुक ए कॉल विथ बीएलओ₹ सुविधा की समीक्षा के क्रम में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को बीएलओ से संपर्क कर अपने मतदाता पहचान पत्र एवं मतदाता सूची से संबंधित जानकारी हेतु ऑनलाइन माध्यम से सुविधा उपलब्ध कराई गई है। राज्य में बीएलओ द्वारा इस सुविधा पर कम रिस्पोंस किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ₹बुक ए कॉल विथ बीएलओ₹ की सुविधा का बेहतर प्रचार प्रसार करें एवं जितने भी मतदाताओं के कॉल प्राप्त होते हैं उसका रिस्पॉन्ड करते हुए संबंधित मामलों का शीघ्रता से निष्पादन करें। इस समीक्षा बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर और हेल्पडेस्क मैनेजर उपस्थित रहे।

कोल्हान में आदिवासियों पर लाठीचार्ज सरकार का क्रूर चेहरा दर्शाता है: देवेन्द्र नाथ

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा घाटशिला के आकाशदीप होटल में प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष सह चुनाव मुख्य संयोजक देवेन्द्रनाथ महतो चुनाव प्रभारी प्रेम मार्डी, प्रत्याशी रामदास मुर्मू , चुनाव पर्यवेक्षक मोतीलाल प्रेम उपस्थित हुए।

मौके पर चुनाव संयोजक देवेन्द्रनाथ महतो ने प्रेस संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में सरकार द्वारा आदिवासियों को कुचला जा रहा है। कोल्हान प्रमंडल के चाईबासा के तंबो चौक पर आदिवासियों द्वारा नो एंट्री लागू करने की मांग को लेकर संवैधानिक आंदोलन

पर जिस निर्मम तरीके से पुलिसिया कार्रवाई की गई,लाठियाँ बरसाई गई, आंसू गैस दागा गया। झूठा एफआईआर किया गया। 17 आदमी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और कई लोगों के लापता होने की खबर है। यह घटना सरकार के क्रूर चेहरे को उजागर करता है। इसका हमलोग कड़ी निंदा करते हैं।

चाईबासा में बड़ी वाहनों की एंट्री से सड़क दुर्घटना से पिछले एक साल के अंतर्गत लगभग 154 लोगों की मौत हो चुकी है, पिछले 10 दिनों के अंदर 4 लोगों की मौत हो चुकी है, लोग पूरी तरह भयभीत हैं।

इसलिए तत्काल नो एंट्री लागू किया जाए । संवैधानिक आंदोलन करने वाले आदिवासियों पर कार्रवाई करने वाले पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई हो, निर्दोष आंदोलनकारियों पर किया गया एफआईआर वापस लिया जाए तथा गिरफ्तार किए गए आदिवासियों को बिना शर्त रिहा किया जाए। मौके पर प्रत्याशी रामदास मुर्मू ने कहा कि अगर जनता के आशीर्वाद से हम चुनाव जीतते हैं तो शिक्षा स्वस्थ और रोजगार के क्षेत्र में क्रांति लाएंगे। एक बार जनता विश्वास कर मुझे सेवा करने का आशीर्वाद दें।

मौके पर चुनाव प्रभारी प्रेम मार्डी ने कहा कि लोकतंत्र में राजा का बेटा राजा नहीं बनता है। रामदास मुर्मू गरीब का बेटा है। लोगों का समर्थन मिल रहा है जेएलकेएम पर विश्वास कर रहे हैं।14 नवंबर को घाटशिला के जनता इतिहास रचने वाले हैं। इस बार एनडीए और इंडिया गठबंधन का सुपड़ा साफ होने वाला है।

मौके पर चुनाव पर्यवेक्षक मोतीलाल महतो ने कहा कि घाटशिला उपचुनाव पार्टी पूरे दम के साथ लड़ रही है। सभी जाति समाज धर्म के लोगों का समर्थन मिल रहा है। घाटशिला के जनता से अपील किया कि झारखंड का नवनिर्माण के लिए जेएलकेएम को साथ दें।

वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस कल,तैयारियां पूरी

स्थापना दिवस से वैश्य आंदोलन को नई दिशा मिलेगी: महेश्वर साहु

रांची: 31 अक्टूबर को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस मनाया जायेगा। स्थापना दिवस पर सात पाउंड का केक काटा जायेगा। इस अवसर पर वैश्य समाज के पाँच प्रबुद्धजन को वैश्य रत्न की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। जबकि पाँच उत्कृष्ट कार्यकताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम रांची के रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका सभागार में आयोजित होगा। सभागार प्रख्यात बुद्धिजीवी और झारखंड आंदोलनकारी वैश्य रत्न डॉ वीपी केशरी के नाम से जाना जायेगा। कार्यक्रम में कई प्रस्ताव भी पारित किये जायेंगे और आगे की रणनीति एवं कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। इस बाबत सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। यह जानकारी वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने आज रांची के चर्च रोड़ स्थित होटल राजधानी प्लाजा में संवाददाता सम्मेलन में मीडिया को दी। केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा राज्य में निवास करने वाले 54 वैश्य उप-जातियों का सामाजिक संगठन है, जो राज्य के 40% आबादी की चिंता करती है और उनकी समस्याओं व मांगों को लेकर संघर्ष करती रहती है। वैश्य मोर्चा सामाजिक कार्यों में भी

भरपूर योगदान देती रही है और लोगों के व्यक्तिगत समस्याओं का भी भरसक निदान करती है तथा उनके साथ खड़ा रहती है। साहु ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि वैश्य मोर्चा की ओर से जिन मुद्दों को लेकर आंदोलन और संघर्ष किया गया है, या तो हम सफल हुए हैं या फिर सरकार और राजनीतिक दलों के लिए वह मुद्दा बन गया है। यह सब वैश्य मोर्चा के निष्ठावान, समर्पित कार्यकताओं और शुभचिन्तकों की मेहनत, लगन, अनुशासन और संगठन एवं नेतृत्व के प्रति भरोसा से ही संभव होता रहा है। वैश्य मोर्चा भी समाज के विश्वास और भरोसा को कभी टूटने नहीं दिया है। साहु ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि वैश्य मोर्चा कभी किसी जाति, समुदाय, नेता या पार्टी का विरोधी नहीं रहा है, और न ही हम कभी किसी के पिछ्लग्गू बने हैं। वैश्य मोर्चा समाज के सभी सांसदों, विधायकों एवं दलों के नेताओं का सम्मान करती है, लेकिन निर्भर भी नहीं रहते हैं। वैश्य मोर्चा समाज की समस्याओं और हक-अधिकार के लिए अब तक खुद लड़ाई लडती रही है, इसलिए हम विवाद में पड़ने से बचते रहे हैं। और यही वजह है कि हम सभी लोग वैचारिक रूप से अब तक एक हैं। साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा आगे भी विवादों से बच कर समाज को जागरूक करेगी और उनके हितों की रक्षा, मान-सम्मान और हक-अधिकार के लिए संघर्ष जारी रखेगी। इसलिए हम कोई भी कार्यक्रम करें या अभियान चलाएं, वैश्य मोर्चा के मुद्दे और हक-अधिकार की बातें सर्वोपरि होना चाहिए। अन्यथा अन्य संगठनों और वैश्य मोर्चा में कोई अंतर नहीं रह जायेगा। साहु ने कहा कि स्थापना दिवस के बाद नई ऊर्जा, नये उमंग और नई उत्साह से वैश्य मोर्चा की नीति-सिध्दांतों एवं मुद्दों की महत्ता के अनुकूल वैश्य समाज को एकजुट किया जायेगा।

राज्य में चक्रवाती तूफान मोंथा का असर, ठंड ने पकड़ा जोर,कई जिलों में बारिश-वज्रपात का अलर्ट

रांची : रांची, कोल्हान सहित झारखंड के कई जिलों में पिछले दो दिनों से चक्रवाती तूफान मोंथा का असर जारी है। तेज हवाओं और वज्रपात के साथ हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। तापमान में गिरावट से ठंडक और सिहरन भी महसूस हो रही है।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट : इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने आज गुरुवार को भी राज्य के कई जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है। आईएमडी की मानें तो तूफान का प्रभाव अगले दो से तीन दिनों तक बना रहेगा।

इन जिलों में भारी बारिश की संभावनाः सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी और गुमला में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। जबकि चतरा, गढ़वा, लातेहार और पलामू में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का पूवार्नुमान है। तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए किसानों और ग्रामीण इलाकों के लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।

कोल्हान में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्तः पिछले 24 घंटों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में दिनभर बादल छाए रहे और बीच-बीच में गरज के साथ बारिश होती रही। आज भी इन इलाकों में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है और प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

चाईबासा की घटना सरकार के आदिवासी विरोधी चेहरा को उजागर करता है: विजय शंकर

मेट्रो रेज

रांची: आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कल रात चाईबासा में शांतिपूर्ण आन्दोलन पर पुलिस द्वारा बर्बरता से लाठीचार्ज करने ,आंसू गैस के जहरीले गोले दाग कर महिलाओं समेत सैकड़ों निर्दोष आन्दोलनकारियों को जेल भेजे जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि ऐसी हरकतें सरकार के आदिवासी विरोधर रवैये को उजागर करता है। इन्होंने यह भी कहा कि

रात के अंधेरे में खूनी लाठिचार्ज ने यह साबित किया है कि झारखंड की सरकार दमनकारी, और आदिवासी-विरोधी है जिसे सत्ता में बने रहने का अधिकार नही है ।

श्री नायक ने आगे कहा कि चाईबासा में मौत बांटती सड़कें बंद करो , यही मांग थी आदिवासी आन्दोलनकारियों की जो शांतिपूर्ण, संवैधानिक आंदोलन था। लेकिन सरकार ने रात के घोर अंधेरे में आदिवासियों पर खूनी लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के जहरीले गोले दागे, और महिलाओं समेत सैकड़ों निदोर्षों को जंजीरों में जकड़कर जेल भेज दिया। क्या यही है सरकार के विकास का झारखंड मॉडल ।

रिम्स निदेशक ने प्रशासनिक ब्लॉक का किया निरीक्षण, कई कर्मी पाए गए अनुपस्थित

रांची : रिम्स निदेशक प्रो डॉ राज कुमार ने प्रशासनिक ब्लॉक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोपहर भोजनावकाश के बाद कई कर्मी अपने कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाए गए।

निदेशक ने इस पर गंभीर असंतोष व्यक्त किया और सभी अनुपस्थित कर्मियों से लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होता है या असंतोषजनक पाया जाता है, तो संबंधित कर्मियों के विरुद्ध आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी। डॉ राज कुमार ने कहा कि संस्थान में कार्य की निरंतरता एवं अनुशासन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी।

(Court of C.J.M Khunti में उपस्थित होने हेतु सूचना)

फिरार अभियुक्त–कोका पाहन, पे0–हरि सिंह पाहन, सा0–पतराटोली, थाना–मारंगहादा, जिला–खूँटी आप के विरूद्ध खूँटी (AHTU) थाना काण्ड सं0–01/2013 दर्ज है, जिसमें आप के विरूद्ध फिरार रहने के कारण द0प्र0सं0–82 के तहत इश्तेहार को दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि सक्षम न्यायालय माननीय **Court of C.J.M, Khunti** के समक्ष निर्धारित अवधि तक आत्मसमर्पण करें। अन्यथा आप के विरूद्ध अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

पुलिस अधीक्षक, खूँटी – 9431706116
थाना प्रभारी, मारंगहादा – 9709027483
डी0सी0बी0, शाखा, खूँटी – 8340655295

पुलिस अधीक्षक,
खूँटी।

PR 364814 Police(25-26)D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

जंगली हाथियों की लगातार घटती संख्या

हाथियों की डीएनए-आधारित गणना के नतीजे आ गए हैं। सार्वजनिक हुए ये नतीजे दुखद हैं। भारत के जंगलों में गजराजों की आबादी तेजी से घटने का तथ्य सामने आया है।संख्या में गिरावट की यह रफ्तार इतनी तेज है कि जरूरी उपाय नहीं किए गए तो गजराजों की गर्जना अतीत की बात हो सकती है। यह पर्यावरणविदों की उस बात पर भी मुहर है जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों से लंबे समय से हाथियों को बचाने की मांग की जाती रही है। गणना आधुनिक तकनीकों से हुई। यह नई डीएनए तकनीक प्रत्येक हाथी की उसके जेनेटिक सिग्नेचर से पहचान करती है। इससे गिनती बिल्कुल सटीक होती है। इसे दुनिया की पहली व्यापक डीएनए-आधारित हाथी गणना का तमगा हासिल है। रिपोर्ट में सबसे ज्यादा हाथी कर्नाटक में बताए हैं, वहां 6,013 हाथी हैं। दूसरे स्थान पर असम को रखा है जहां 4,159 हाथी हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 3136, केरल में 2785, उत्तराखंड में 1792 और ओडिशा में 912 हाथी शेष बचे हैं। इस मामले में उत्तराखंड, तराई क्षेत्र, हिमाचल क्षेत्रों के हालात बहुत खराब हैं। गणना के नतीजे बताते हैं कि भारत में हाथियों की कोई प्रजाति ऐसी नहीं बची, जिनमें उनकी कम होती संख्या न दर्ज की गई हो। मौजूदा गणना की मानें तो पिछले 8 साल में करीब 25 फीसदी हाथियों की संख्या भारत में सिमट गई है। जंगलों में वास करने वाली विभिन्न किस्म की जीव प्रजातियां और बेजुबान जानवरों की संख्या बीते कुछ वर्षों से लगातार घटी ही हैं, उनमें हाथी भी अब शामिल हो गए हैं। तीन हजार के करीब ऐसे जीव हैं जिनकी संख्या तकरीबन विलुप्त हो चुकी है। कुछ कतार में हैं। उसी कतार में हाथियों का भी शामिल होना, घोर चिंता का विषय है। जंगलों का लगातार खत्म होना, उनके रहने की जगहों का टुकड़ों में बंटना और गलियारों का कटना- इसके मुख्य कारण निकल कर आए हैं। हाथियों को उनके रहने की जगह जब नहीं मिलती हैं तो वह खेतों और आवासीय क्षेत्रों का रुख करते हैं, जहां पहले से घात लगाए शिकारियों के चंगुल में फंस जाते हैं। कुछ महीने पहले असम से दुखद खबर आई थी, दर्जन भर से ज्यादा हाथी रेलवे पटरी पर आकर कट गए थे। भारत में पहली मर्तबा डीएनए आधारित इस नई टेक्नोलॉजी द्वारा हाथियों की गिनती हुई है जिसमें यह चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने हाथियों को लेकर पिछली गणना साल-2017 में कराई गई थी जिसमें में 29964 हाथी बताए गए थे। वहीं, मौजूदा गणना में संख्या घटकर मात्र 22446 रह गई। यानी वर्ष 2017 से 2025 के बीच इन 8 वर्षों में करीब साढ़े सात हजार हाथी कम हो गए। हाथियों की कम होती आबादी जंगलों के सिकुड़ते आकार और इंसानों व हाथियों के बीच बढ़ते टकराव की ओर इशारा आज से नहीं, बल्कि बहुत पहले से कर रही है। लेकिन हम बेखबर थे। असम के जंगलों में हाथियों की संख्या सर्वाधिक हुआ करती थी, वहां उनका अवैध शिकार बड़े स्तर पर आज भी जारी है। हाथियों की कुछ प्रजातियां ऐसी हैं जो सिर्फ भारत में ही पाई जाती है। उन हाथियों के दांत व शरीर के अन्य अंगों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग रहती है। मोटी कमाई के लालच में तस्कर बेजुबान हाथियों का शिकार करते हैं। इस कृत्य में कई बार वनकर्मियों की भी सांठगांठ सामने आई है। भारत के अलावा वैश्विक स्तर भी हाथियों की आबादी तेजी से घट रही है। मौजूदा जनगणना ह्यवाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियाह्ल के नेतृत्व में हुई है जिनमें पारंपरिक तरीकों को छोड़कर नए आधुनिक और वैज्ञानिक रूप से सटीक डीएनए मार्क-रिकैप्चर विधि का इस्तेमाल किया गया। पहले हाथियों की गिनती उनकी चहलकदमियों या तो उन्हें देखकर हुआ करती थी या फिर उनके प्रजनन के आधार पर आकलन किया जाता था। पर, वह तरीके उतने सटीक नहीं थे। विश्व भर में हाथियों की मौजूदगी की बात करें तो वर्ष 1964 से लेकर 2016 तक जंगली हाथियों की आबादी में औसतन 90 फीसदी की कमी हुई है। अफ्रीका में पाए जाने वाले 'सवाना हाथियों' की संख्या तकरीबन एक तिहाई लुप्त हो चुकी है। कुल मिलाकर, हाथियों की संपूर्ण आबादी में औसतन 77 प्रतिशत कमी आ चुकी है। करीब तीन दशक पूर्व ग्लोबल लेबल पर किए गए सर्वेक्षण में 37 देशों के 475 ऐसे स्थलों का जायजा लिया गया था जहां हाथियों की आबादी अच्छी हुआ करती थी। लेकिन सर्वेक्षण टीम ने उन सभी जगहों पर हाथियों की संख्या में गिरावट दर्ज की। उस गणना में भारतीय जंगल भी शामिल थे। अभी कुछ नहीं बिगड़ा, हाथियों को अभी भी बचाया जा सकता है। विश्व के 90 देशों के मुकाबले भारत में गजराजों की आआदी अभी भी सर्वाधिक है। भारत के पश्चिमी घाट अभी भी हाथियों के सबसे बड़े गढ़ हैं, वहां 11,934 हाथी हैं। जबकि, साल 2017 में इनकी संख्या 14,587 थी। उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानों में 6,559 हाथी हैं जो साल 2017 के 10,139 से कम हैं। मध्य भारत के ऊंचे इलाके और पूर्वी घाट में कुल मिलाकर 1,891 हाथी हैं जो साल 2017 की रिपोर्ट में बताए गए 3,128 हाथियों से कम हैं। हाथियों की आबादी बढ़ाने के लिए सबसे पहले सुरक्षित आवासों को संरक्षित करना होगा और अवैध शिकार करने वाले तस्करों पर लगाम लगानी होगी। सबसे जरूरी ध्यान मादा हथनियों के स्वास्थ्य की देखभाल और उनके आवश्यक रखरखाव पर ध्यान देना होगा। इससे प्रजनन क्रियाओं को बढ़ावा मिलेगा। असम, कर्नाटक जैसे राज्यों में ह्यटाइगर रिर्जवह्ल की भांति ह्यहाथी रिजर्व परियोजनाह्ल या ह्यप्रोजेक्ट एलिफेंटह्ल जैसे विंग गठित होने चाहिए। इन जरूरी तथ्यों पर ध्यान दिए बिना हाथियों को नहीं बचाया जा सकता। इसमें सामाजिक स्तर पर भी बड़े और लगातार प्रयास किए जाने की जरूरत है।

फूहड़ता का आकर्षण और वर्चुअल समाज की विडंबना

> लिखना मतलब सोचना, मनन करना, किसी विषय पर आत्मा से उतरकर बोलना। शब्द कभी भीड़ को लुभाने का नहीं, समाज को सजग करने का माध्यम होते थे। लेकिन आज इस संतुलन को एक नई भूख ने निगल लिया है- लोकप्रियता की भूख। अब जो सबसे तेज, सबसे तीखा और सबसे विवादित लिखेगा, वही सबसे ज्यादा देखा जाएगा। ह्यक्लिकह्ल और ह्यकमेंटह्ल की इस दौड़ ने शब्दों की गरिमा को लगभग निचोड़ कर रख दिया है। अब भाषा का अर्थ अभिव्यक्ति नहीं, उत्तेजना रह गया है। यह प्रवृत्ति केवल अनपढ़ या असंवेदनशील वर्ग तक सीमित नहीं- कई बार वही लोग, जो समाज में सुधार, परिवार में संस्कार और रिश्तों में मधुरता की बातें करते हैं, इन पोस्टों पर टूट पड़ते हैं।

- डॉ प्रियंका सौरभ

कुछ समय पहले तक मुझे यह गलतफहमी थी कि सोशल मीडिया पर केवल रील्स और वीडियोज में वल्गर या बेहूदा कंटेन्ट ही ज्यादा देखा जाता है। सोचती थी कि शायद यह दृश्य माध्यम का प्रभाव है- जहाँ चमक, शरीर और शोर ही बिकता है। पर हाल के दिनों में कुछ लम्बी पोस्टें पढ़ कर भ्रम टूटा। अब केवल दृश्य नहीं, भाषा भी बिकाऊ हो गई है। फूहड़पन अब सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, कलम की नोक पर भी नाच रहा है। इन पोस्टों में विषय तो वही पुराने और ह्यट्रेंडिंगह्ल हैं- पुरुषों को कोसना, संबंधों में स्त्री की पीड़ा या समाज की संकीर्णता। पर इन सबके बीच सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन विचारों को जिस भाषा में व्यक्त किया जा रहा है, वह भाषा नहीं, गाली का उत्सव लगती है। लाइक्स और कमेंट्स की बरसात होती है और भीड़ ताली बजाती है- मानो फूहड़ता अब किसी नई ह्यसाहित्यिक विधाह्ल का नाम बन चुकी हो। कभी कहा जाता था कि लिखना, दिखने से कहीं कठिन होता है। लिखना मतलब सोचना, मनन करना, किसी विषय पर आत्मा से उतरकर बोलना। शब्द कभी भीड़ को लुभाने का नहीं, समाज को सजग करने का माध्यम होते थे। लेकिन आज इस संतुलन को एक नई भूख ने निगल लिया है- लोकप्रियता की भूख। अब जो सबसे तेज, सबसे तीखा और सबसे विवादित लिखेगा, वही सबसे ज्यादा देखा जाएगा। ह्यक्लिकह्ल और ह्यकमेंटह्ल की इस दौड़ ने शब्दों की गरिमा को लगभग निचोड़ कर रख दिया है। अब भाषा का अर्थ अभिव्यक्ति नहीं, उत्तेजना रह गया है। यह प्रवृत्ति केवल अनपढ़ या असंवेदनशील वर्ग तक सीमित नहीं- कई बार वही लोग, जो समाज में सुधार, परिवार में संस्कार और रिश्तों में मधुरता की बातें करते हैं, इन पोस्टों पर टूट पड़ते हैं। वे न केवल इन्हें पढ़ते हैं बल्कि ह्यलाइकह्ल, ह्यहार्टह्ल और ह्यफायरह्ल इमोजी भेजकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं- जैसे यह कोई सांस्कृतिक आंदोलन हो। यह सवाल सबसे ज्यादा चुभता है- आखिर इस फूहड़ता में आकर्षण क्या है? क्या लोग वास्तव में इन विचारों से सहमत हैं या बस भीड़ में शामिल हो जाने की मजबूरी है? मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो सोशल मीडिया ने व्यक्ति को ह्यअदृश्य पहचानह्ल दी है। अब वह जो कहना, करना या दिखाना असल ज़िंदगी में नहीं कर सकता, उसे वह वर्चुअल दुनिया में निर्भीक होकर कर सकता है। यह आजादी धीरे-धीरे अराजकता में बदल गई है। भाषा की मयार्दा, सामाजिक संवेदना और दूसरों की गरिमा- सब पर खुली छूट मिल गई है। किसी का अपमान करना, समूहों को उकसाना, व्यंग्य में विष घोलना- यह सब अब ह्यक्रिएटिविटीह्ल कहलाता है। फूहड़ भाषा को ह्यनिर्भीक अभिव्यक्तिह्ल बताया जा रहा है और सभ्य संवाद को ह्यपाखंडह्ल। विचारों की जगह शब्दों का शोर छा गया है। विडंबना यह है कि यही समाज घर में बच्चों को मयार्दा, संस्कार और आदर का पाठ पढ़ाता है, मगर वर्चुअल मंच पर वही लोग अपशब्दों की पोस्ट पर हंसते हुए इमोजी भेजते हैं। यानी हमारी वास्तविक और वर्चुअल नैतिकता में जमीन-आसमान का अंतर है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने हमें संवाद का अवसर दिया था, पर हम उसे विवाद का अखाड़ा बना बैठे। जहाँ पहले विचारों की टकराहट होती थी, वहाँ अब शब्दों की लाठियाँ चलती हैं। यह प्रवृत्ति केवल भाषा की समस्या नहीं, सामाजिक संस्कृति के क्षरण का संकेत है। क्योंकि जब शब्द दूषित होते हैं, तो विचार भी विकृत हो जाते हैं। जब विचार विकृत होते हैं, तो समाज में असहिष्णुता पनपती है। आज यही हो रहा है- हर वर्ग अपने पक्ष को ह्यएकमात्र सत्यह्ल मानने लगा है और जो असहमत है, उसके लिए अपशब्द तैयार रखे हैं।

कला, चाहे लेखन हो या अभिनय- समाज से संवाद का माध्यम है। लेकिन संवाद और प्रहार में फर्क होता है। जो शब्द किसी की गरिमा को चोट पहुँचाएँ, वे अभिव्यक्ति नहीं, आक्रोश का प्रदर्शन हैं। जब यह आक्रोश लोकप्रियता के रास्ते का शॉर्टकट बन जाए, तब समाज को आत्ममंथन करना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि हम लोकप्रियता और गरिमा के बीच अंतर समझें। लिखना सिर्फ ह्यलोग क्या कहेंगेह्ल के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि ह्यमैं क्या कहना चाहता हूँह्ल के लिए होना चाहिए। सच्चा लेखक भीड़ से नहीं, विवेक से संवाद करता है। लेकिन अफसोस, आज सोशल मीडिया ने साहित्य को मनोरंजन और विचार को व्यापार बना दिया है।

हर लाइक, हर कमेंट, हर शेयर- केवल एक बटन नहीं, एक नैतिक निर्णय है। जब हम किसी फूहड़ पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हैं तो हम अनजाने में उस प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम तो वही दिखाता है जो अधिक देखा जाता है। इसलिए असभ्य कंटेन्ट तभी बढ़ता है जब हम उसे बढ़ाते हैं। दर्शक अगर जिम्मेदार बन जाएँ तो निमार्ता भी सुधरने को मजबूर होंगे। संवेदनशील और सुसंस्कृत समाज वही होता है जहाँ लोकप्रियता का मापदंड शब्दों की गरिमा हो, न कि शब्दों की उत्तेजना। सोशल मीडिया अब किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज का दर्पण है। यहाँ जो लिखा, कहा और साझा किया जा रहा है- वही हमारी सामूहिक सोच बन रहा है। अगर हम चाहते हैं कि समाज में शालीनता और संवेदना बनी रहे, तो हमें वर्चुअल व्यवहार में भी वही अनुशासन अपनाना होगा जो वास्तविक जीवन में अपनाते हैं। फूहड़ शब्दों की लोकप्रियता अल्पकालिक है, पर उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक। विचारों की ताकत शब्दों की मयार्दा में ही बसती है, न कि उनकी अशालीनता में। इसलिए अब वक्त है कि हम ठहरकर सोचें- क्या हम वाकई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल कर रहे हैं या बस असभ्यता की स्वतंत्रता का जश्न मना रहे हैं? अगर जवाब दूसरा है तो हमें याद रखना चाहिए- सभ्यता की पहली पहचान भाषा होती है और जब भाषा गिरती है तो समाज भी गिर जाता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत से नक्सलवाद समाप्ति की ओर

> इराक युद्ध (2003) में अमेरिका ने सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप लाखों नागरिक मारे गए। सीरिया गृहयुद्ध (2011 से अब तक) में रूस और चीन के वीटो ने कोई ठोस कार्रवाई रोकी, जिससे 5 लाख से अधिक लोग मारे गए। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण (2022) में भी रूस के वीटो ने यूएन को असहाय बना दिया। हाल के गाजा संकट में अमेरिका ने इजरायल के पक्ष में 53 बार वीटो का उपयोग किया।

भूपेन्द्र भारतीय

तीन दिन तक याचना करने के बाद भी जब समुद्र नहीं माना, तो श्रीराम को क्रोध आ गया और लक्ष्मण से बोले- बिना भय के प्रेम नहीं होता है। इसके बाद, उन्होंने समुद्र को सुखाने के लिए अग्नि बाण चलाने का निर्णय लिया और इसी के बाद समुद्र देव प्रकट हुए और क्षमा याचना की- श्रीराम के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यहां रामकथा से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रसंग की चर्चा इसलिए आवश्यक प्रतीत हुई क्योंकि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर छत्तीसगढ़, बंगाल, झारखंड, बिहार व उड़ीसा राज्य करीब पांच-छः दशकों से नक्सलियों, नक्सलवाद व अर्बन नक्सली विचारधारा से रक्तरंजित रूप से ग्रसित रहा है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आखिरकार वर्तमान मोदी सरकार को इस लाल आतंक के पर्याय को आत्मसमर्पण के लिए अंतिम रूप से चेताना पड़ा,ह्लनक्सलियों के साथ कोई संघर्ष विराम नहीं होगा, केवल आत्मसमर्पण ही एकमात्र विकल्प है।ह्ल अब विनय की अंतिम सीमा समाप्त हुई। लाल सलाम के नाम से लाल आतंक का पर्याय वर्षों तक भारत को भीतर से खोखला करता रहा, यह नक्सलवाद आज आखिरी सांस गिन रहा है। भारत ने आजादी के बाद जितना विकास देखा, उतना ही इस लाल आतंक ने उसे भीतर से लहूलुहान किया। जिन भोले व प्रकृति पूजक वनवासी अंचलों में कभी जनजाति गीतों की गूंज होती थी, वहां बारुद की गंध हवा में तैरने लगी। नक्सलियों ने वनवासियों से कहा कि वे उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन असल में उन्होंने उन्हीं के जीवन से मूलभूत अधिकार छीन लिये। उनके बच्चों को बंदूक थमाई, महिलाओं को ढाल बनाया। शहरों में बैठे अर्बन नक्सलियों का इसमें सबसे बड़ा हाथ रहा है। इन्हीं अर्बन नक्सलियों ने शहरों के वातानुकूलित कमरों में बैठकर नक्सली आग को हवा दी और भारत के 17% भूभाग को लाल क्रांति के नाम पर छह दशक से लहुलुहान किया। पूर्वोत्तर भारत के आंचलिक क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा व अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का लंबे समय तक प्रयास किया। बंगाल के एक छोटे से क्षेत्र से शुरू हुआ यह लाल आतंक जैसे ही बंगाल में सत्ता में आया, नक्सलवाद वहां से गायब हो गया। इससे यही प्रतीत होता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत में नक्सलवाद के नाम पर सत्ता हथियाने के लिए विदेशी ताकतों के सहारे नक्सली बंदूक व हिंसा के दम पर सत्ता पाना चाह रहे थे। वामपंथी समर्थकों को वनवासियों के विकास की चिंता नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा को जीवित रखने की चिंता है। हिंसा के दम पर सत्ता व शक्ति प्राप्त करने वाली विचारधारा।

नक्सलियों ने संविधान और न्यायिक व्यवस्था को निशाना बनाया, ?जनता अदालतह्ल चलाकर समानांतर सत्ता कायम की। गवर्नेंस के अभाव में वहां विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य नहीं पहुंच पाया। हजारों बच्चे, बुजुर्ग व महिलाओं को अपने मूलभूत मानव अधिकारों से वंचित होना पड़ा। लेकिन मानव अधिकारों के पैरोकार वैश्विक संस्थाओं व संयुक्त राष्ट्र का इस ओर थोड़ा भी ध्यान नहीं गया, आश्चर्य का विषय रहा है। इस लाल सलाम से निपटने के लिए गत 11 वर्षों में वर्तमान केन्द्र सरकार के संकल्प, सुरक्षाबलों की समन्वित कार्रवाइयों और जनजातीय सहयोग से स्थिति बदली है। लाल आतंक के खात्मे के बाद सही मायनों में शांति तब आएगी, जब विकास व न्याय जन-जन तक पहुंचेगा। मोदी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। 70 के दशक की शुरूआत में नक्सलवाद और हथियारबंद विद्रोह की शुरूआत हुई। 1971 में स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे ज्यादा 3620 हिंसक घटनाएं हुईं और इसके बाद 80 के दशक में सबसे ज्यादा जनयुद्ध दल(पीपल्स वॉर ग्रुप) ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और केरल तक विस्तार किया। 80 के दशक के बाद वामपंथी गुटों ने एक-दूसरे में विलय की शुरूआत की और 2004 में प्रमुख भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी) गुट का गठन हुआ एवं नक्सली हिंसा ने और गंभीर रूप ले लिया।

एक समय पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (तमिलनाडु-आंध्रप्रदेश) पट्टी तक को ह्यलाल पट्टीह्ल (रेड कॉरिडोर) कहा जाता था। 1960-2014 तक 66 अभेद्य पुलिस थाने बने थे, मोदी सरकार के 11 वर्षों में 576 और नए थाने बनवाए। 2014 में नक्सल प्रभावित जिले 126 थे जो अब घटकर 18 रह गए और इनमें से भी ज्यादा प्रभावित 36 जिलों में अब वर्तमान सरकार की निर्णायक कार्यवाही व ?भय बिनु होइ न प्रीतिह्ल नीति पर चलते हुए अब यह लाल सलाम वाली पट्टी सिर्फ गंभीर प्रभावित छः जिलों में ही सिमट गई है। जहां पहले की सरकारों के समय लाल आतंक के प्रति बिखरे हुए दृष्टिकोण से काम होता था, घटना-आधारित प्रतिक्रिया होती थी और कोई स्थायी नीति नहीं थी, एक प्रकार से सरकार की प्रतिक्रिया का नियंत्रण नक्सलियों के पास था। वर्तमान सरकार में गृहमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद सरकार के अभियानों और कार्यक्रमों की कमान भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने अपने जिम्मे ली और यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है। विगत दिनों एक कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बिखरे दृष्टिकोण की जगह अब एकीकृत और दृढ़ नीति को अपनाया गया है। वर्तमान सरकार की नीति यह है कि जो हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, उनके लिए स्वागत है, लेकिन अगर कोई हथियार लेकर निर्दोष वनवासियों की हत्या करेगा तो सरकार का संवैधानिक धर्म है कि वह उन्हें बचाए और हथियारबंद नक्सलियों से कड़ाई से निपटे। इसी नई रणनीति के परिणाम है कि अब तक लाल सलाम की समस्या का 90 प्रतिशत समाधान होने पर है और पीछले दो वर्षों 2024 में 881 व 2025 में अब तक 1241 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

अब आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और निरंतर लाल सलाम की पट्टी समाप्ति की ओर है। जैसा कि साल 2014 में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब भारत सरकार ने संवाद, सुरक्षा और समन्वय- इन तीनों पहलुओं पर काम करने की शुरूआत की थी, इसके परिणामस्वरूप 31 मार्च , 2026 को भारत से हथियारबंद नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। श्रीराम के आदर्शों व संवैधानिक मूल्यों पर चलने वाली इस पवित्र भूमि पर रक्तरंजित लाल सलाम के लिए यह अंतिम दिवस होगा, हमें यही विश्वास है।

शिव पुराण में वर्णित ये खास विधि दिलाएगी शिव कृपा

भगवान शिव की पूजा के बारे में जब ऋषियों ने सूतजी से पूछा कि महादेव की पूजा के क्या नियम और विधान हैं। तब सूतजी ने ऋषियों से कहा कि शिव पुराण में वर्णित शिव पूजा का विधान हर शिव भक्त को जानना चाहिए। इस विधि से महादेव को कौन से फूल, पूजन सामग्री आदि अर्पित करना चाहिए। इस विधि को जानकर शिवलिंग की पूजा करता है, उसके मनोरथ भोलेनाथ जरूर पूरे करते हैं, ऐसा शिवपुराण में बताया गया है। ऋषियों ने पूछा हे सूतजी आप बताएं कि भगवान शिव की किन फूलों से पूजा की जाए और इसके क्या फल हैं। तब सूतजी ने कहा कि हे ऋषियों यही प्रश्न ब्रह्माजी से नारद जी ने किया था। ब्रह्माजी ने बताया कि बेलपत्र, कमलपत्र, शतपत्र सा शंखपुष्प से देवता की पूजा करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। वहीं 20 कमल का एक प्रस्थ और सहस्त्र बेलपत्रों का आधा प्रस्थ होता है। सोलह पल का एक प्रस्थ और दस टंक का एक प्रस्थ होता है। इतने तौल के मुताबिक इतना सब तराजू पर चढ़ाकर सकाम पूजा करने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं यदि निष्काम पूजा करे तो वह शिवस्वरूप हो जाता है। अगर कोई दस करोड़ पार्थिव लिंग की पूजा करता है, तो वह इच्छुक राज्य पा सकता है। हे मुनीश्वर, भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए शिवलिंग पर चावल, फूल और चंदनादि सहित अखण्ड जल की धार चढ़ाकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्रत्येक रूथ में प्रति मंत्र से एक बेलपत्र या शतपत्र या कमल चढ़ाना चाहिए। शंखपुष्पों से विशेष विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। जो दोनों लोगों में सर्वकाम प्रदायक है। इसके बाद दीप-धूप, नैवेद्य, आरती, प्रदक्षिणा और नमस्कार कर क्षमा विसर्जन करें। इस तरह सांगोपांग पूजा भोग और राज्य प्रदायक है। रोग से मुक्त होने के लिए 50 कमल पुष्प, कन्या की इच्छा करने वाला 25 हजार कमल पुष्प से, विद्या के लिए इससे भी आधे से, उच्चाटन के लिये उतने ही परिमाण से, वाणी के लिये घृत से, मारण में एक लक्ष से, मोहन में उससे आधे से, राजा के वशीकरण के लिये दश लाख फूलों से पूजा करे। यश के लिए इतना ही, ज्ञान के लिए एक करोड़ और शिव दर्शन के लिए उससे आधे से पूजा करनी चाहिए। कार्य फल सिद्धि के लिए मृत्युञ्जय का जाप करना चाहिए और इसमें 5 लाख बार जब किया जाए, तो शिव जी प्रसन्न होते हैं। जो भी व्यक्ति मुक्ति चाहते हों, उनको कुशा से शिवजी की पूजा करें। तो एक लाख की संख्या तो सर्वत्र जानें। आयु की इच्छा वाला एक लाख दूर्वा से और पुत्र की इच्छा रखने वाला एक लाख फूलों से जिसकी डंडी लाल हो। भगवान शिव करें और तुलसी पूजा से भक्ति-मुक्ति प्राप्त होती है। प्रताप के लिए आक के लिए फूल चढ़ाना चाहिए, शत्रु की मृत्यु होवे इसके लिए एक लाख फूल चढ़ाएं, तो बड़ा फल प्राप्त होता है। ऐसा कोई फूल नहीं, जो भगवान शिव को प्रिय न हो। चंपा और केतकी के फूल छोड़कर शिवजी पर सब फूल चढ़ा सकते हैं। वहीं चावल को चढ़ाने से लक्ष्मी की वृद्धि होती है। शिवजी पर चढ़ाए जाने वाले चावल अखंडित होने चाहिए और इनको भक्तिपूर्वक चढ़ाना चाहिए। इसकी संख्या एक लाख हो या फिर छः प्रस्थ या तीन प्रस्थ या दो पल होवे। चावल द्वारा रूद्र को पूजे और उस पर एक सुंदर वस्त्र शिवजी को अर्पित करें। भगवान शिव को चावल चढ़ाने का यह एक सुंदर विधान है। इसके ऊपर एक गंध, श्रीफल और पुष्पादि चढ़ाएं।

सेहत

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए घर में रखें ये 4 रामबाण चीजें

इस बार की सर्दी को लेकर अभी से वैज्ञानिक चेतावनी जारी करने में लगे हैं। ला नीना इफेक्ट की वजह से इस बार के मानसून में भारी बारिश देखने को मिली है। एक्सपर्ट के अनुसार, अगर यह इफेक्ट जारी रहता है, तो उत्तर भारत में इस बार भयंकर ठंड हो सकती है। इसके अलावा इंफेक्शन और पॉल्यूशन आदि का भी खतरा लोगों पर मंडरा सकता है। अधिक सर्दी और प्रदूषण होने के कारण लोगों को इंफेक्शन, फ्लू, बुखार, खांसी, ठंड लगना और अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन आदि हो सकता है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत ज्यादा बिगड़ सकती है। क्योंकि बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर होता है। ऐसे में आप भी पंसारी से 4 चीजें लाकर घर में रखें और सर्दियां पड़ने पर इनका इस्तेमाल करें।

पीपली पाउडर : एक्सपर्ट के अनुसार, सर्दियों में पीपली का सेवन जरूर करना चाबिए। रोजाना इसका पाउडर कुछ चुटकी लेकर शहद के साथ खाना चाहिए। इसकी तासीर गर्म होती है, जोकि आपको सर्दी-खांसी से बचाने का काम करती है। यह पेट में अग्नि बढ़ाती है, जोकि ठंड में आमतौर पर काफी कम होती है।

मुलेठी : ठंड लगने की वजह से गले में सूजन, खराबी और दर्द की शिकायत हो सकती है। इसके लिए मुलेठी या फिर इसके पाउडर का सेवन करना चाहिए। इससे न सिर्फ गले में आराम मिलेगा, बल्कि खांसी और अपर रेस्पिरेटरी सिस्टम भी सही रहेगा।

सोंठ: अदरक को सुखाकर बनाए जाने वाले पाउडर को सोंठ कहा जाता है। सोंठ अदरक के मुकाबले ज्यादा गर्म होता है। इस कारण सर्दियों में सोंठ का सेवन किया जाता है। फ्लू, बुखार और कमजोर पाचन से यह बचाता है। इसमें एंटी इंफ्लामेटरी, एंटी बैक्टीरियल और एंटी माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

सिकलसेल जांच करने,आभा कार्ड,आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश

साहिबगंज : सदर अस्पताल परिसर सभागार में स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढिकरण के लिए सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी है।बैठक में सदर अस्पताल के सभी चिकित्सक,कर्मी मौजूद थे।सीएस ने बैठक में अनुपस्थित चिकित्सक व कर्मी का इस दिन का वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया।वहीं सीएस कार्यालय के सयुक्त सभागार हॉल में बुधवार को सीएस ने जिले के सभी प्रखंड एवं पंचायत के सीएचओ के साथ समीक्षा बैठक की।इस दौरान सीएस कार्यालय में सभी सीएचओ ने ब्लड डोनेशन भी किया जिसमें कुल 16 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।सिविल सर्जन ने सीएचओ को सप्ताह में एक बार सोमवार या शुक्रवार को अपने अपने पंचायत के हर गांव में अलग अलग मेडिकल कैंप लगाने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी को हंड्रेड परसेंट वायो अटेंडेंस लगाने को कहा। साथ ही सिकलसेल जांच करने,आभा कार्ड,आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश दिया। मौके पर जिला के कई सीएचओ मौजूद थे।

आपका रक्तदान करना किसी के जीवनदान के सामान है : उपायुक्त

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार समाहरणालय परिसर में शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने रक्तदान करने हेतु जिलावासियों को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान कर के न सिर्फ किसी की जिंदगी बचाने जैसी अनमोल खुशी मिलती है बल्कि इससे हमारी सेहत को भी लाभ पहुँचता है। कई लोग यह सोचकर रक्तदान नहीं करते हैं कि इससे उनकी सेहत खराब हो जायेगी, जो कि एक भ्रम के अलावा कुछ भी नहीं है। ऐसे लोग सोचते हैं कि रक्तदान करने से शरीर में खून की कमी हो जायेगी और वे बीमार पड़ जायेंगे; जो कि पूर्णतः मिथ्या है।

उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा कि कभी-कभी ब्लड बैंक में रक्त की अनुपलब्धता होने से रक्त की आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आवश्यक है कि हम सभी आगे आएं और एक अच्छे उद्देश्य की पूर्ति हेतु अवश्य रक्तदान करें। वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य ये भी है कि स्वयं को सेहतमंद रखने का यह सबसे अच्छा तरीका है कि हम सभी रक्तदान करें। रक्तदान महादान है, वास्तव में सच यही है कि रक्तदान करने के पश्चात कुछ समय में हीं हमारे शरीर में दिये गये रक्त की आपूर्ति पुनः हो जाती है। इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर नहीं पड़ता है।

सतबरवा में लापता किशोर का शव नहर से मिला, चचेरा बहनोई हिरासत में

सतबरवा : पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के मानसोती और बारी गांव के बीच मलय मुख्य नहर से बुधवार की शाम में पुलिस ने शव को बरामद किया है। थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने बताया कि नाबालिग की पहचान पोंची गांव के 14 वर्षीय पंकज यादव के रूप में की गई है। मृतक के पिता बाली यादव ने हत्या कर शव नहर में फेंकने का आरोप में अपने चचेरे बहनोई रमेश यादव के खिलाफ लगाया है। पुलिस ने पांकी थाना क्षेत्र तितलंगी गांव निवासी रमेश यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर हत्या की खबर सुनकर परिजनों के साथ ग्रामीणों ने सतबरवा थाना के सामने धाम में विरोध प्रदर्शन करते हुए कुछ देर के लिए एनएच-39 पर आवागमन को बाधित कर दिया।

पुलिस के समझाने के बाद लोग शांत हुए। परिजन और ग्रामीणों का कहना था कि हत्या के आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। दादा हीरामन यादव ने बताया कि बीते सोमवार से मेरा पोता गांव के नहर के किनारे छठ घाट से रात से लापता था, जिसकी खोजबीन की जा रही है। मंगलवार को परिजनों ने सतबरवा थाना में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। पंकज के पिता बाली यादव ने पांकी थाना क्षेत्र के तितलांगी गांव के रमेश यादव पर अपहरण का शक जताया था। इसके आधार पर पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई थी। परिजनों ने बताया कि दो वर्ष पूर्व बाली यादव के भाई की पुत्री का विवाह रमेश यादव के साथ हुआ था। रमेश यादव अपनी पत्नी को नहीं रखना चाहता था। करीब तीन माह पहले इस मामले को लेकर लड़की के पिता अर्जुन यादव ने पंचायत भी कराई थी। अर्जुन की पुत्री अपने मायके में रह रही है। गांव में रिश्तेदारी होने के कारण रमेश यादव अक्सर आता रहता था। छठ के दिन सोमवार को रमेश यादव आया और अपने चचेरे साला पंकज यादव को अपने साथ ले गया था। उसके बाद से पंकज लापता था।

आपूर्ति विभाग की योजनाओं का लाभ लाभुक तक पहुंचाए : उपायुक्त

मेदिनीनगर : उपायुक्त समीरा एस ने बुधवार को आपूर्ति विभाग ने संचालित योजनाओं का समीक्षा की और धोती-साड़ी, लुंगी का वितरण प्रत्येक लाभुकों तक सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत अक्तूबर 2025 का राशन उठाव एवं वितरण, झारखंड खाद्य सुरक्षा योजना, नवीन राशन कार्ड वितरण, चना दाल वितरण, राशन कार्डधारियों का ईकेवाइसी, पीएमजीएस पोर्टल पर लंबित मामलों आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया। उपायुक्त ने डीएसडी की गोदामवार समीक्षा भी की। बैठक में डीएसओ प्रीति किस्कू ने विभिन्न इंडिकेटरों से उपायुक्त को अवगत कराया। धोती-साड़ी,लुंगी वितरण की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी एमओ को दो सप्ताह के भीतर प्रत्येक लाभुकों तक धोती-साड़ी, लुंगी का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके वितरण में अगर कहीं कोई स्तर पर समस्या आती है तो पीडीएस डीलर लाभुक के घर तक पहुंचना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण, कार्ड अपडेट, लंबित शिकायतों का समाधान तथा योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभुकों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने पीवीटीजी योजना अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए पीवीटीजी समूहों के बीच शतप्रतिशत राशन वितरण कराने की बात कही। कई एमओ ने बताया गया कि सभी लाभुकों के बीच अक्तूबर का राशन वितरण कर दिया गया है। कुछ स्थानों पर पोर्टल पर ऑनलाइन एंट्री नहीं हो पायी हैं। डीसी ने कहा कि एक भी पीवीटीजी लाभुक बगैर राशन के नहीं रहे, यह सुनिश्चित होना चाहिए। उपायुक्त ने बीएसओ लॉगिन में पेंडिंग एप्लीकेशन की समीक्षा की, सभी एमओ को उनके लॉगिन में पड़े आवेदनों को डीएसओ लॉगिन में फॉरवर्ड करने की बात कही।

दो दिवसीय अंतर्राज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता दंगल का भव्य शुभारंभ

पहले जहां गौशाला मेला सीमित स्तर पर आयोजित होता था वहीं अब यह विराट रूप धारण कर चुका है : बजरंगी

संवाददाता

साहिबगंज : लोकआस्था और पारंपरिक खेलों के संगम स्थल साहिबगंज महादेवगंज गौशाला मेला में गोपाष्टमी के अवसर पर प्रदेश यादव महासभा के बैनर तले दो दिवसीय अंतर्राज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता दंगल का भव्य शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव,कार्यकारी अध्यक्ष रामाशीष यादव,इंद्रजीत यादव,बनारस यादव, टुनटुन यादव,लालजी यादव भरत यादव और सदानंद यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस कुश्ती प्रतियोगिता मे उत्तर प्रदेश,हरियाणा,दिल्ली,पंजाब,बिहार, झारखंड,उड़ीसा और महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए नामचीन पहलवानों ने अपने-अपने दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन किया।दंगल में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी,जो अपने पसंदीदा पहलवानों का उत्साहवर्धन करती

रही।मौके पर प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि पहले जहां गौशाला मेला सीमित स्तर पर आयोजित होता थावहीं अब यह विराट रूप धारण कर चुका है।खेल और संस्कृति का यह संगम समाज में एकता और परंपरा की भावना को जीवित रखता है। बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया की ह्रहर वर्ष गोपाष्टमी के अवसर पर इस दंगल का आयोजन किया जाता है।यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और अब यह इस क्षेत्र की पहचान बन चुकी है।वही प्रदेश यादव महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष यादव ने कहा की गौशाला मेला सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं,बल्कि ग्रामीण संस्कृति,लोक परंपरा और खेल भावना का जीवंत उदाहरण बन गया है।कुश्ती के इस दंगल में जहां पहलवानों ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया,वहीं दर्शकों ने भी जोश,रोमांच और परंपरा का अद्भुत संगम देखा।कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी राजेश यादब ने किया।वही आज के प्रतियोगिता मुख्य मुकाबला विहार मनिहारी के अमन यादव एवं साहिबगंज के मनीष यादव के बीच हुआ।दस मिनट तक चले कुश्ती मे अनंता ड्रॉ हो गया। वही आज जूनियर वर्ग मे दीपक यादव, निरहुआ,ऋतिक यादव, बललव चौधरी- ीतीश कुमार और मनीष यादव विजेता बने। मौके पर टुनटुन यादव,विवेक चादव,अशोक यादव,सुरेश यादव, बासुकीनाथ यादव,बुधन यादव, यशराज यादव, दारा सिंह यादव,कृष्णा शर्मा,रंजीत यादव,रामचन्द्र यादव, विकास यादव, रामचन्द्र यादव,नंदन यादव सहित हजारों ग्रामीण मौजूद थे।

योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक कृषक परिवारों तक पहुंचे: उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि सहकारिता एवं उद्यान विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं तथा समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपायुक्त ने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति प्रतिवेदन की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की आर्थिक उन्नति,आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के लिए कई महत्त्वपूर्ण योजनाएँ चलाई जा रही हैं।अतः आवश्यक है कि प्रत्येक योजना का कार्यान्वयन गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। ताकि इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक कृषक परिवारों तक पहुँच सके।उपायुक्त ने समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना के तहत चयनित गाँवों में अब तक की उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि लक्षित कार्यों जैसे कृषक समूहों का गठन, बीज वितरण, जैविक खेती के प्रशिक्षण, बागवानी विस्तार तथा तालाब निर्माण जैसे गतिविधियों की प्रगति नियमित रूप से की जाए और उसका प्रतिवेदन समय पर जिला नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराया जाए।उन्होंने कहा कि बिरसा ग्राम योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और किसानों की आमदनी में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है। इसलिए प्रत्येक पंचायत स्तर पर कृषि प्रसार अधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।उन्होंने कहा कि कृषक पाठशाला योजना के माध्यम से किसानों को नई कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण संबंधी जानकारियाँ व्यवहारिक रूप से दी जानी चाहिए, ताकि वे अपनी उत्पादकता बढ़ा सकें।मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र विन्हा समेत अन्य उपस्थित थे।

योजनाओं में कार्य की गुणवत्ता और समय बद्धता सुनिश्चित की जाए : हेमंत सती

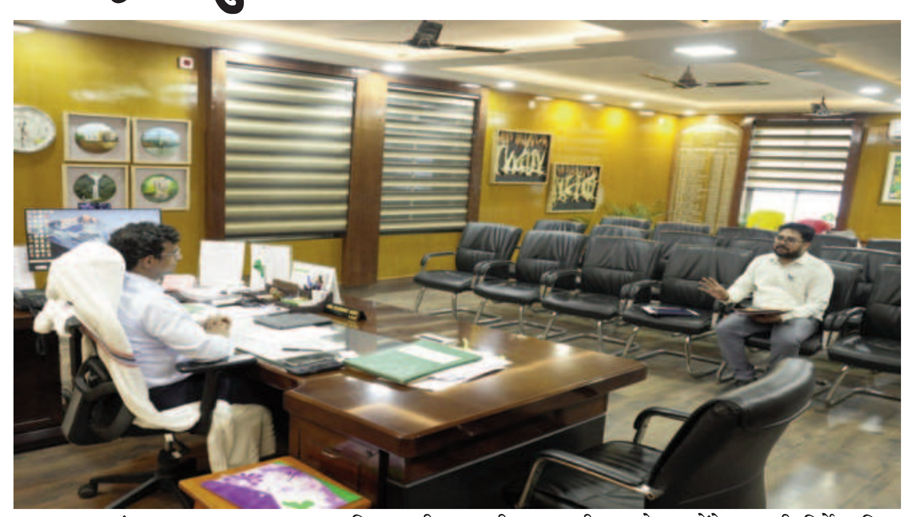

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में भूमि संरक्षण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में तालाब निर्माण, परकुलेशन टैंक, डिप बोरिंग, पंपसेट वितरण, मिनी ट्रैक्टर और मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण जैसी विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं में कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निमार्णाधीन तालाबों एवं परकुलेशन टैंकों से जुड़े भूमि विवादों का त्वरित समाधान किया जाए ताकि योजनाओं का लाभ समय पर ग्रामीणों को मिल सके।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक कार्यस्थल की नियमित निगरानी एवं भौतिक जांच कर उसकी रिपोर्ट कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, जिससे योजनाओं के प्रभाव एवं उपयोगिता का सही मूल्यांकन किया जा सके।बैठक में जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल गुप्ता सहित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रशासन हमेशा नेक इंसानों को सम्मानित करेगा : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : जिला प्रशासन दुमका द्वारा सितंबर माह के गुड सेमेरिटन (नेक नागरिक) के रूप में एक युवा को चिन्हित किया गया है। जिनका नाम विशाल महतो हैं। इस नेक नागरिक ने मानवता का परिचय देते हुए एक मरीज को दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर में

एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुँचाया। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने इनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे प्रयास प्रेरणादायी हैं और यह अन्य लोगों को भी नेक कार्यों के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन हमेशा ऐसे नेक नागरिकों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है।

डीसी ने दी मुख्यमंत्री सारथी योजना की जानकारी

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री सारथी योजना के अन्तर्गत चल रहे विभिन्न कार्यों यथा दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, सक्षम झारखण्ड कौशल विकास योजना, ब्लॉक लेबल इंटियेटिव फॉर रूरल एंड स्कील एक्वीजीसन (बिरसा) एवं इंप्लॉयमेंट एक्सलेंस विथ कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग (एक्सल) संचालित है। ऐसे में योजना के अन्तर्गत हेल्थ केयर, एप्रेरल, बैंकिंग, फाईनेन्सियल, इलेक्ट्रॉनिक एण्ड हार्डवेयर, टेलिकॉम, आयरन ओर स्टील, ब्यूटी एण्ड वेलनेस इत्यादि जैसे सेक्टर में अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

सतबरवा में पलामू किला मेला शुरू, उमड़ पड़ी है लोगों की भीड़

संवाददाता

सतबरवा : पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड के रबदा पंचायत अंतर्गत फुलवरिया गांव में बुधवार से शुरू दो दिवसीय पलामू किला मेला में भीड़ उमड़ पड़ी है। मेले में हजारों की संख्या में लोगों का सैलाब उमड़ा। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और विधायक रामचंद्र सिंह मेले का उदघाटन कर आयोजकों को प्रोत्साहित किया। अतिथियों ने कहा कि पलामू किला और मेला झारखंड के गौरवशाली इतिहास को जीवंत बनाकर रखा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार किला और मेला का विकास कराएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री, उनकी धर्मपत्नी सह विधायक कल्पना और इंडिया गठबंधन की सरकार ने महिलाओं की समस्याओं को देखते हुए प्रत्येक महीने 2500 रुपए की आर्थिक सहायता मंइयां सम्मान योजना के तहत उनके खाते मे दे रही है ताकि उन्हे तंगी नहीं झेलना नहीं पड़े।

किसी भी क्षेत्र राज्य का विकास सकारात्मक सोच से संभव होता है। राजा मेदिनी राय और सीएम हेमंत सोरेन की सोच एक है। पूर्व की सरकार ने समाज को जाति वर्ग भेद में बांटने का काम किया है। वे पलामू किला मेला आयोजन समिति के सदस्यों की निमंत्रण पर फुलवरिया पहुंचे और उन्हे राजा मेदिनी राय की प्रतिमा की पूजा करने का अवसर मिला। वित्त मंत्री ने कहा कि पलामू ही नहीं बल्कि पूरे देश में राजा मेदिनी राय का नाम पहुंचना चाहिए। 48 साल से वे सक्रिय राजनीति में हैं। पहाड़ पर स्थित पलामू किला पर लोगों को चढ़ते देखा तो उनकी रूह कांप गई। वित्त मंत्री ने कहा कि 16वीं शताब्दी का धरोहर, पलामू किला सभी के लिए गर्व का विषय है। यह कई शताब्दी से प्रहरी के रूप में खड़ा है। दोनों किला का जीर्णोद्धार कराना लक्ष्य : रामचंद्र सिंह राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के महासचिव विधायक रामचंद्र सिंह की अध्यक्षता तथा अवधेश सिंह चेरो के संचालन में आयोजित यह मेला सोहराय के बाद आयोजित किया जाता है। विधायक ने कहा कि दोनों किला का जीर्णोद्धार कराना उनका लक्ष्य है। मेला और पलामू किला लाखों लोगों की पहचान और धरोहर है। इस इतिहास को अक्षुण्ण रखने में सभी लोगों को आगे आना होगा। वन विभाग से तालमेल बिठाकर मेला स्थल पर औरंगा नदी में पुल निर्माण कराने की पहल की जा रही है। मेदिनी राय अमर हैं और रहेंगे : राष्ट्रीय अध्यक्ष चेरो जनजातीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह दूधी (उत्तर प्रदेश) क्षेत्र के पूर्व विधायक हरे राम सिंह चेरो ने कहा कि पलामू किला पर राज करने वाले राजा मेदिनी राय अमर है और अमर रहेंगे। राजा मेदिनी राय के आदर्शों को अपनाने से ही समाज का भला होगा। मनिका क्षेत्र से विधायक रामचंद्र सिंह की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत ने रंग लाया और अब राजा मेदिनी राय की याद को मेला और पलामू किला को संरक्षित करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक लाख की संख्या में चेरो समुदाय के लोग रहते हैं, जो राजा मेदिनी राय के वंशज है। राजा के वंशज जीवन यापन के लिए उत्तर प्रदेश गए थे। उन्होंने झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की तारीफ करते हुए कहा कि यूपी में 403 जबकि झारखंड में 81 विधायक हैं। वित्त मंत्री का कुशल नेतृत्व से समाज प्रभावित है। पर्यटन और कल्याण मंत्री ने दूरभाष पर दिया संदेश झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि पलामू किला मेला को राजस्व तथा दोनों किला को पर्यटन क्षेत्र जल्द ही घोषित किया जाएगा। दूरभाष पर मेले में उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि राजस्व मेला घोषित कराने के बाद वे अगले साल के आयोजन में भाग लेंगे। इस दिशा में वे प्रयासरत हैं। प्रदेश के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने भी दूरभाष पर मेला में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चेरो शासकों का गौरवशाली इतिहास रहा है। यही उनकी संस्कृति और पहचान को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि वे शीघ्र पलामू किला का अवलोकन करेंगे और उनके कार्य को चिह्न को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। राजा मेदिनी राय को राष्ट्रीय पुरुष का दर्जा देने की मांग पलामू किला मेला के उदघाटन कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने कहा कि राजा मेदिनी राय व्यक्ति नहीं विचार थे। उन्हें राष्ट्रीय पुरुष का दर्जा मिलना चाहिए ताकि क्षेत्र के धरोहर के रूप में चेरो शासनकाल का नाम रोशन हो सके। आयोजन समिति ने मेला के उदघाटन समारोह में अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया। पलामू जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला, चेरो महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष अर्जुन सिंह, जिला संयोजक कमेश सिंह, संरक्षक अवधेश सिंह चेरो, निर्मल सिंह चेरो, अजय सिंह, गणेश सिंह, मेला आयोजन समिति अध्यक्ष प्रदीप सिंह, गणेश सिंह, संतोष सिंह, उमेश सिंह, चंदन सिंह, अरविंद सिंह, विनोद यादव, गुड्डु सिंह, मुकेश गुप्ता, विश्वनाथ सिंह, संजय सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ह्रदय सिंह, अनिल सिंह, आशुतोष सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित हुए। सुरक्षा की रही पुख्ता व्यवस्था सतबरवा थाना की पुलिस मेले में सुरक्षा की चुस्त व्यवस्था की है। नेशनल हाईवे पर एएसआई अमित कुमार उपाध्याय, ठेमा मोड पर पुलिया के पास एएसआई बसंत महतो के अलावा शेर पसेरी के पास एएसआई के अलावे मेला मोड़ के पास एसआई रघुराय कोटवार तथा मेला परिसर में एएसआई राजीव रंजन, सुधीर कुमार सिंह, संतोष गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस बल के जवान मौजूद थे। भीड़ को नियंत्रण करने में पुलिस बल के जवानों को लगातार सतर्कता बरतनी पड़ रही है। मेले में परंपरागत औजारों की होती खूब बिक्री पलामू किला मेले में परंपरागत औजारों की खूब बिक्री होती है। लोहे के उपकरण और औजारों की 100 से अधिक दुकान सजती है। इसके अलावा होटल, श्रृंगार सामान, मिट्टी के बर्तन आदि की दुकान भी सजती है। मेले में पलामू प्रमंडल के अलावा भी अन्य जिले के राज्य के लोग पहुंचते हैं। चेरो महासभा के नेतृत्व में 1965 से मेले का आयोजन होता आ रहा है। पलामू के तत्कालीन उपायुक्त ने चेरो समाज को प्रोत्साहित कर मेला का आयोजन शुरू किया था। राजा मेदिनी राय पलामू के प्रतापी राजा रहे हैं। उनके समय की उक्ति धन्य-धन्य राजा मेदिनिया, घर-घर बाजे मथनिया, उस समय के पलामू क्षेत्र की समृद्धि को दशार्ता है। मेदिनीनगर जीरो माइल से बेतला होकर पलामू किला करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सतबरवा होकर भी करीब इतनी ही दूरी है।

इंडस्ट्री के उभरते कलाकारों को अजय देवगन की सलाह

अभिनेता अजय देवगन हाल ही में बॉलीवुड के उभरते अभिनेताओं को सुझाव देते दिखे। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक अजय देवगन ने नए उभरत सितारों को सलाह दी है कि वे अपना पैशन फॉलो करें और खुद पर यकीन बनाए रखें। एक्टर ने कहा, वे पूरे दिल से अपने जुनून का अनुसरण करें। डर और सेल्फ डाउट को अपने लक्ष्य पर हावी न होने दें।

दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज

बता दें कि अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो काफी दिलचस्प है। उनकी यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म इस साल बाल दिवस पर यानी 14 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अजय देवगन के अलावा इस सीक्वल फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, आर माधवन, मीजान जाफरी और जावेद जाफरी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। इसे टी-सीरीज फिल्म्स के बैनर तले लव रंजन और तरुण जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के लिए दिल्ली पहुंची। इस मौके पर अजय देवगन ने फिल्म इंडस्ट्री में तीन दशकों से ज्यादा समय तक काम करने के बाद बॉलीवुड में प्रासंगिक बने रहने का अपना सूत्रा शेयर किया। अभिनेता ने आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया और लोगों को सुझाव दिया कि वे सेल्फ बिलीव को मानें साथ ही कठिन मेहनत करते रहें। अजय देवगन ने कहा, आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। खुद पर यकीन रखना होगा और मेहनत करते रहनी होगी। मुझे नहीं लगता कि असुरक्षा की कोई जगह है। इसके लिए जिंदगी बहुत छोटी है।

दिल की जरूर सुननी चाहिए

अजय देवगन ने अपने जीवन के सिद्धांतों पर जोर देते हुए युवा और उभरते कलाकारों से कहा, सफलता और असफलता की चिंता किए बिना, जीवन में पूरे मन से अपने जुनून को फॉलो करना चाहिए। अजय देवगन ने कहा, मैं युवा पीढ़ी से यही कहता रहता हूं। अगर आपको कोई चीज दिल से पसंद है, तो आगे बढ़ें और उसे करें। यह काम करेगा या नहीं, यह हम बाद में देखेंगे। अगर आपको कोई चीज दिल से पसंद है, तो आपको उसे करना चाहिए।

श्रिया पिलगांवकर बनीं ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। अक्सर कलाकार यह बात करते हैं कि सिनेमा में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, लेकिन फेस्टिवल इस ताकत का इस्तेमाल जागरूकता और संवेदना बढ़ाने के लिए करता है, जिससे समाज में वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।

श्रिया का मानना है कि पर्यावरण का मुद्दा हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ विषय है। श्रिया ने आगे कहा, यह फेस्टिवल मुझे याद दिलाता है कि कहानियों में वह शक्ति होती है जो सोच को बदल सकती है, दिमाग खोल सकती है, और हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का एहसास करा सकती है। उन्होंने बताया कि जूरी की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने कई प्रभावशाली फिल्में देखीं, जो नए नजरिए से सोचने और सीखने का मौका देती हैं। बता दें कि इस फेस्टिवल में फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म्स, और स्टूडेंट पर आधारित फिल्मों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा। इन सभी फिल्मों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों को प्रेरित करना, सोचने पर मजबूर करना और प्रकृति से जुड़ने का एहसास कराना है।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे।

प्रनूतन बहल ने की नेपोटिज्म पर बात

अभिनेत्री प्रनूतन बहल फिल्म इंडस्ट्री के एक मशहूर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वह मोहनीश बहल की बेटी और दिग्गज अभिनेत्री नूतन की पोती हैं। उन्हें सिनेमाई पहचान विरासत में मिली है। हालांकि प्रनूतन मानती हैं कि उनके लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं रहा। प्रनूतन बहल बॉलीवुड में स्टार किड के संघर्ष के बारे में बात करती हैं। अभिनेत्री ने बॉलीवुड में एक स्टार किड होने के अपने अनुभव और इस सफर में आई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की। एचटी से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह अभिनेताओं से घिरी रहती थीं, इसलिए उनके लिए यह समझना आसान हो गया कि यह एक मुश्किल इंडस्ट्री है। उन्हें पता था कि कई बार बिना काम के भी कई दौर गुजारने पड़ेंगे। उन्हें इस बारे में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडस्ट्री में जिन लोगों के माता-पिता नहीं होते, उन्हें चीजें समझ नहीं आतीं, जिससे उनका सफर और भी मुश्किल हो जाता है।

फिल्मों के लिए पैसे नहीं देता परिवार

बहल ने आगे कहा हर स्टार किड को सब कुछ आसानी से नहीं मिल जाता, और मैं इसका जीता जागता सबूत हूं। ऐसा नहीं है कि मैं एक एक्टर की संतान हूं इसलिए मुझे सब कुछ आसानी से मिल गया है या मेरा परिवार पीछे से फिल्मों के लिए पैसे दे रहा है।

2018 में मिली पहली फिल्म

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्हें एक एक्टर होने के नाते भावनात्मक उथल-पुथल से नहीं जूझना पड़ा, इसलिए उनके लिए सब कुछ कोई झटका नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2016 में अपने ऑडिशन शुरू किए और 2018 में उन्हें अपनी पहली फिल्म मिली।

काम की बात करें तो प्रनूतन ने 2019 में जहीर इकबाल के साथ फिल्म नोटबुक से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर सलमान खान थे। वह जल्द ही हिंदी-अंग्रेजी फिल्म कोको एंड नट का हिस्सा होंगी।

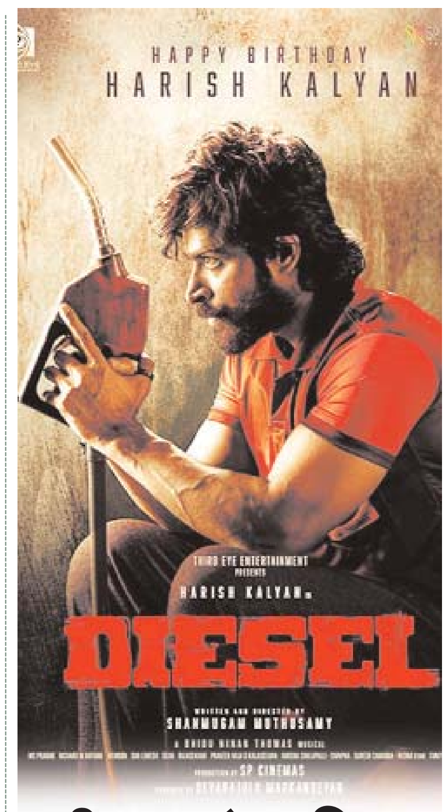

डीजल में अभिनय करना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर डीजल 17 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। एक इंटरव्यू में हरीश कल्याण ने बताया कि डीजल में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था। हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे ब्लैक गोल्ड कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। डीजल उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी। बताया जा रहा है कि अभिनेता हरीश कल्याण ने इस रोमांचक थ्रिलर पर बड़ा दांव लगाया है। इसमें वह पहली बार एक्शन करते दिखाई देंगे। हरीश ने कहा, डीजल शारीरिक और मानसिक रूप से दोनों ही तरह से चुनौतीपूर्ण था। गानों और जबरदस्त एक्शन सीन्स तक, हर चीज के लिए काफी मेहनत की जरूरत थी। लेकिन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद मुझे काफी संतुष्टि का अहसास हुआ। अगर दर्शक मुझे एक्शन के क्षेत्र में अपनाते हैं, तो इस शैली में मेरे लिए और फिल्मों के दरवाजे खुलेंगे। डीजल का निर्माण थर्ड आई एंटरटेनमेंट और एसपी सिनेमाज ने किया है। शन्मुगम मुथुसामी ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में हरीश कल्याण, अतुल्या रवि, विनय राय, साई कुमार, बोस वेंकट, रमेश थिलक, काली वेंकट, विवेक प्रसन्ना, सचिन खेडेकर, जाकिर हुसैन और अपूर्व सिंह जैसे कलाकार हैं।

लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी, सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर

एजेंसी

लॉस एंजिल्स : इंटर मियामी के आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के सबसे अधिक वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) के नए स्टार सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी ताजा वेतन सूची में सामने आई। मेसी को इंटर मियामी से सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) की गारंटीशुदा राशि मिलती है, जो बाकी खिलाड़ियों से काफी अधिक है। इस राशि में उनके स्पॉन्सरशिप और अन्य करारों से होने वाली आमदनी शामिल नहीं है। 2023 के मध्य में मियामी से जुड़ने वाले अर्जेंटीनी

स्टार का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे अगले साल से तीन साल के नए करार की शुरूआत करेंगे। इस विस्तार के वित्तीय विवरण अभी सामने नहीं आए हैं। 38 वर्षीय मेसी को हाल ही में रेगुलर सीजन का टॉप स्कोरर घोषित किया गया, जहां उन्होंने 28 मैचों में 29 गोल दागे। वे इस बार भी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया के सोन ह्युंग-मिन को एलएएफसी से सालाना 11.1 मिलियन डॉलर का वेतन मिलता है। टोटनहम हॉटस्पर के पूर्व कप्तान सोन इस साल अगस्त में एमएलएस इतिहास के सबसे महंगे ट्रांसफर (26 मिलियन डॉलर) के तहत अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए अपनी टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। तीसरे स्थान पर इंटर मियामी के ही स्पेनिश मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीजन के अंत में संन्यास लेंगे। वहीं, पराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) चौथे और मेक्सिको के हिर्विंग 'चक्की' लोजानो (7.6 मिलियन डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं। दोनों ने इस सीजन क्रमशः अटलांटा यूनाइटेड और सैन डिएगो एफसी के साथ करार किए हैं।

कनाडियन स्क्वैश ओपन के सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह, जीना कैनेडी ने दी मात

टोरंटो : भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह का शानदार सफर कनाडियन ओपन 2025 में सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की नंबर 1 खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मात्र 30 मिनट तक चला। टूर्नामेंट में अनाहत ने इससे पहले दो बड़े उलटफेर किए थे — उन्होंने विश्व नंबर 20 मेलिसा एल्व्स और पिछली चैंपियन टिन्नी गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। जीना कैनेडी ने मैच के बाद अनाहत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अनाहत ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया। मैंने अपने कोच से कहा कि वह एक स्वाभाविक स्क्वैश खिलाड़ी हैं। उनके शॉट्स की दिशा बदलने की शैली बहुत अनोखी है, जिसे सिखाया नहीं जा सकता। शायद वह पूरे हफ्ते के खेल से थोड़ी थकी हुई थीं, जो स्वाभाविक है। फाइनल में जीना कैनेडी का मुकाबला मिस्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमांडा सोभी (अमेरिका) को पराजित किया।

पेरिस मास्टर्स : ज्वेरेव तीसरे दौर में, वाशेरो ने आर्थर रिंदरनेक को फिर हराया

एजेंसी

पेरिस : मौजूदा चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पेरिस मास्टर्स में कठिन शुरूआत के बावजूद बुधवार को तीसरे दौर में जगह बना ली। जर्मन स्टार ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कराबेली को 6-7 (5-7), 6-1, 7-5 से मात दी। पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बाद ज्वेरेव ने दूसरा सेट सिर्फ. 35 मिनट में अपने नाम किया। निर्णायक सेट में जब वह 1-3 से पिछड़ गए थे, तब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्कराज की तरह एक और शीर्ष वरीय खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। लेकिन ज्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए 5-5 पर निर्णायक ब्रेक हासिल किया और जीत पक्की की। अब ज्वेरेव तीसरे दौर में स्पेन के 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो

डेविडोविच फोकीना या फ्रांस के आर्थर काजो से भिड़ेंगे। दिन के पहले मुकाबले में नॉर्वे के आठवीं वरीय कैस्पर रूड को जर्मनी के डैनियल आल्टमायर ने 6-3, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। रूस के पूर्व नंबर एक दानिल मेदवेदेव को बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव के कंधे की चोट के चलते वॉकओवर मिला और वे सीधे तीसरे दौर में पहुँच गए। विंबलडन में जैनिक सिनर के खिलाफ दो सेट की बढ़त के बाद रिटायर होने के बाद से दिमित्रोव की यह वापसी रही, लेकिन उनकी फिटनेस फिर जवाब दे गई। दिन की शुरूआत दो कज़िन खिलाड़ियों मोनाको के वैलेंटिन वाशेरो और फ्रांस के आर्थर रिंदरनेक के बीच मुकाबले से हुई। शंघाई मास्टर्स फाइनल की तरह ही इस बार भी वाशेरो ने तीन सेटों में जीत दर्ज की। कनाडा के नौंवी वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने भी रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने फ्रांस के एलेक्जांद्र मुलर को 5-7, 7-6 (7-5), 7-6 (7-4) से हराते हुए एटीपी फाइनल्स की दौड़ में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। ऑगर-अलियासिम वर्तमान में एटीपी रेस में नौवें स्थान पर हैं, जबकि आठवें स्थान पर मौजूद इटली के लॉरेन्जो मुसेटी बाद में अपने हमवतन लॉरेन्जो सोनेगो के खिलाफ उतरने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफान मोन्था का प्रभाव , आठ जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी

एजेंसी

रायपुर : देश के दक्षिण-पूर्वी समुद्री तट पर आये भीषण चक्रवाती तूफान ह्यमोन्थाह्ल का छत्तीसगढ़ में प्रभाव देखने को मिल रहा है। मोन्था की वजह से आज छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बारिश की सम्भावना जताई गई है, जबकि दुर्ग और भिलाई इलाकों में आज सुबह से ही बूंदाबांदी शुरू है। वहीं कोंडागांव जिले के ग्राम आदनार में बारिश से 'बड़को नाला पुलिया' टूट गई। इससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। मौसम विभाग ने 8 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, रायगढ़, बिलासपुर और जीपीएम शामिल हैं। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर ने बुधवार की देर रात चेतावनी जारी की है कि है कि 30 अक्टूबर को प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, एक-दो स्थानों

पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश और वज्रपात की संभावना भी जताई गई है। विशेषकर सरगुजा संभाग के जिलों अंबिकापुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर में तेज बारिश का असर देखने को मिल सकता है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक मोंथा के कमजोर पड़ने और पश्चिम की ओर आगे बढ़ने से सरगुजा संभाग के एक दो स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि 31 अक्टूबर से बारिश में कमी का पूवार्नुमान भी लगाया गया है। चक्रवाती तूफान मोन्था का असर बस्तर संभाल में सबसे ज्यादा दिखाई दे रहा है। बारिश ने किसानों को परेशान कर दिया है। बेमौसम बारिश के कारण धान की फसल को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। बारिश के साथ-साथ तेज हवाओं का भी असर छत्तीसगढ़ में देखने को मिल रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जिस कारण से ठंड का असर भी दिखाई दे रहा है। कोंडागांव जिले में बुधवार को जोरदार बारिश हुई है। जिले के आदनार गांव में भारी बारिश के कारण बड़को नाला पुलिया टूट गया। पुलिया टूटने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। जानकारी के अनुसार इस पुलिया का निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत किया गया था। इस पुलिया के माध्यम से लिंगोंपथ, मदार्पाल, भाटपाल और नारायणपुर जिले जुड़ते थे। पुलिस टूटने से आवाजाही बंद हो गई है। दुर्ग जिले में लगातार बदलते मौसम के कारण किसानों को नुकसान हो रहा है। धान की फसल पक गई है लेकिन बारिश के कारण कटाई नहीं हो पा रही है। तेज हवाओं के कारण बड़ी मात्रा में धान खेतों में गिरने लगी है।किसानों के अनुसार दुर्ग, पाटन, धमधा, अहिवारा और भिलाई-3 के ग्रामीण इलाकों में फसलों को बड़ा नुक्सान पहुंचा है । दंतेवाड़ा, बीजापुर, जगदलपुर, सुकमा और नारायणपुर में बारिश हो रही है। बारिश के साथ-साथ यहां ठंडी हवाएं भी चल रही है। तूफान के कारण ओडिशा और आंध्र प्रदेश तक चलने वाली 2 यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। विशाखापट्टनम से छूटने वाली ट्रेन संख्या 18515 विशाखापट्टनम-किरंदुल नाइट एक्सप्रेस ट्रेन रद्द हो गई है। इसके साथ ही किरंदुल से छूटने वाली ट्रेन संख्या 18516 किरंदुल-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन रद्द रहेगी। वाल्टेयर रेलमंडल ने जगदलपुर समेत अन्य प्रमुख स्टेशनों में हेल्पडेस्क भी बनाया गया है। जगदलपुर में स्थापित हेल्प डेस्क में यात्रियों की सुविधाओं के लिए हेल्प लाइन नंबर 08912884714 और 08912884715 नंबर जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अक्टूबर के आखिरी हफ्ते तक बारिश का दौर जारी रहेगा। नवबंर के पहले सप्ताह में तूफान का असर राज्य से खत्म हो जाएगा।

मगध और शाहबाद से भर जाएगी एनडीए की झोली : दयाशंकर सिंह

बक्सर : बिहार विधानसभा के चुनाव में मगध और शाहाबाद जैसे महत्वपूर्ण इलाकों में एनडीए को बढ़त दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश के कई कद्दावर भाजपा नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। उन्ही में से एक यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह का दावा है कि इस बार मगध और शाहबाद में 35 से 40 सीटों पर एनडीए की जीत होगी। चुनावी कौशल में माहिर यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एनडीए उम्मीदवारों के लिए दिन-रात सक्रियहैं। दयाशंकर सिंह पार्टी के शीर्ष नेताओं की चुनावी रैलियों और एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। उन्होंने गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि तेजस्वी यादव सिर्फ एमवाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण के सहारे मुंगेरी लाल के सपने देख रहे हैं। जबकि एनडीए के साथ बिहार की सभी

जातियां गोलबंद हैं। इसके पीछे कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दस-ग्यारह वर्षों में बिहार को बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिए हैं। इससे बिहार प्रगति की राह पकड़ चुका है। नीतीश कुमार द्वारा शराबबंदी और महिलाओं के खाते में पैसा भेजना, इन निर्णयों से बिहार की महिलाओं के जीवन में क्रन्तिकारी बदलाव आए हैं। हम धरातल पर उतर कर देख रहे हैं कि नीतीश सरकार ने अभूतपूर्व बिजली आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि नीतीश ने बिहार को लालू-राबड़ी काल के गुंडाराज से बिहार को बाहर निकाला है। ऐसे बदलावों से बिहार की जनता खुश है। इसके उलट आरजेडी के नेतृत्व वाला महागठबंधन दिशाहीन है। उनमें वैचारिक एकता नहीं है। जिसकी सरकार में आपातकाल में लालू यादव ने लाठियां खाई उसी कांग्रेस से हाथ मिलाया है। जो मुकेश सहनी महागठबंधन का हिस्सा हैं, उनको ही टिकट नहीं दिया। ऐसे विरोधाभाषी गठबंधन को बिहार की जनता पूरी तरह से नकारने जा रही है। बक्सर में प्रवास कर रहे दयाशंकर सिंह ने कहा कि हमलोग बिहार के गांव-गांव घूम रहे हैं। इस बार मगध और शाहाबाद की 48 में से 35 से अधिक सीटें एनडीए की झोली में आएंगी। यही दोनों क्षेत्र बिहार की एनडीए सरकार की धुरी बनेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में शाहाबाद क्षेत्र में एनडीए को सिर्फ दो ही सीटें थीं। उसमें भी आरा की तरारी और बक्सर की रामगढ़ सीट उपचुनाव में एनडीए के पाले में आयीं थीं।

दोस्त की शादी से लौटते वक्त कार गड्ढे में पलटी, एक की मौत, तीन गंभीर घायल

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में बुधवार देर रात बेलाझकानपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गहरे गड्ढे में जा पलटी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक कानपुर देहात के शिवली इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना बुधवार रात लगभग 12 बजे बरकसी मोड़ के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, चारों युवक अपने दोस्त आरिफ की शादी में शामिल होने के लिए गांव मल्हौसी आए थे और समारोह के बाद कार से वापस शिवली लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक कार का नियंत्रण बिगड़ गया और वह सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरी। हादसे में गोलू पुत्र शिवकुमार जाटव, निवासी जवाहर नगर, शिवली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार चालक चंदन उर्फ अंकित पुत्र जीवननाथ, अभिषेक पुत्र मोहर सिंह निवासी शंकर नगर शिवली, तथा मयंक निवासी पिलाहड़ी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल बिधूना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। बेला थाना प्रभारी गंगादास ने बताया कि पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है तथा दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

नेपाल के कई एयरपोर्ट बंद, मौसम में खराबी के कारण कई अंतराष्ट्रीय विमानों को दिल्ली डाइवर्ट किया गया

एजेंसी

काठमांडू : बीती रात से लगातार बारिश और मौसम में बदलाव की वजह से देश के कई एयरपोर्ट फिलहाल बंद हैं। तेज बारिश के कारण विमानस्थलों का विजिबिलिटी न्यून होने के कारण विमानों के उड़ान अवतरण को रोक दिया गया है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के प्रवक्ता रिन्जी शेर्पा ने कहा कि काठमांडू आने वाली उड़ानों में दिक्कतें आ रही हैं। देश के विभिन्न गंतव्यों से काठमांडू आने वाली विमानों को समस्या होने के कारण कई आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय विमानों को डाइवर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ₹फिलहाल काठमांडू एयरपोर्ट खुला है लेकिन भरतपुर, जनकपुर, सिमरा, भद्रपुर, विराटनगर और पोखरा एयरपोर्ट बंद हैं। भैरहवा से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाला श्रीएयर का विमान वापस भैरहवा लौट गया है। इसी तरह दिल्ली से काठमांडू आ रहा इंडिगो का विमान भी वापस दिल्ली भेजा गया है।₹ प्रवक्ता शेर्पा के अनुसार, श्रीएयर का विराटनगर से काठमांडू के लिए रवाना हुआ विमान भी मौसम खराबी के कारण विराटनगर लौट गया है। इसी तरह नेपाल एयरलाइंस की दोहा से काठमांडू आ रही उड़ान को दिल्ली की ओर डायवर्ट किया गया है।

कार बैक करते समय 4 वर्षीय बच्चा कुचला, मौत

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर के थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 31 के ए-ब्लॉक में बुधवार की देर रात को कार बैक करते समय एक चार वर्षीय बच्चा कार के नीचे आ गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि 29 अक्टूबर की देर रात को सेक्टर 31 के ए- ब्लॉक में रहने वाले एक व्यक्ति जयंत शर्मा द्वारा अपनी कार को बैक किया जा रहा था, तभी उनके पड़ोस में रहने वाला एक चार

वर्षीय बच्चा अभि पुत्र आशीष वहां से गुजरा। उक्त व्यक्ति ने बच्चे को नहीं देखा तथा उसने बच्चे को टक्कर मार दिया। इस घटना में बच्चे को गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बच्चे के पिता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है तथा चालक को आज सुबह गिरफ्तार कर लिया है।

फोन न उठा तो अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : प्रशान्त आर्य

एजेंसी

उत्तरकाशी : जिले में आमजन की शिकायतों के समाधान में हो रही देरी और संवेदनशीलता की लगातार उपेक्षा पर जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि अधिकारी फोन उठाकर सबसे पहले नागरिकों को अंतरिम राहत उपलब्ध कराएं और फिर स्थायी समाधान की दिशा में काम शुरू करें। जिलाधिकारी कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि कई जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों की ओर से जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के फोन रिसीव नहीं किए

जा रहे, जिससे शिकायतकताओं को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे बेहद खेदजनक और लापरवाहीपूर्ण करार दिया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि फोन न उठाने के कारण लोगों को छोटी-छोटी शिकायतों एवं समस्याओं के निस्तारण के लिए अनावश्यक रूप से जिला व खण्ड मुख्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे न केवल सार्वजनिक समय की बबार्दी होती है, बल्कि प्रशासन की छवि और भरोसे पर भी आंच आती है। आदेश में उल्लेख है कि यह रवैया अधिकारियों की आमजन की समस्याओं के प्रति असंवेदनशीलता को दशार्ता है, जिसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे सामान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के फोन अवश्य रिसीव करें तथा शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता से संवाद बढ़ाएं और समस्या समाधान में देरी हरगिज न होने दें। साथ ही, आदेश में चेतावनी दी गई है कि यदि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति पाई जाती है, या फिर फोन न उठाने की शिकायतें प्राप्त होती हैं, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध उनके विभागाध्यक्ष अथवा शासन को कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए संस्तुति भेजी जाएगी। जिलाधिकारी का यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल द्वारा इकोनामिक आउटलुक को लेकर चिंता जताने तथा दिसंबर में रेट कट को लेकर अनिश्चितता की बात कहने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना हुआ नजर आया। डाउ जॉन्स ऊपरी स्तर से 400 अंक फिसल गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने

0.30 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 6,890.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 130.98 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,958.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,709.96 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,756.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,200.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 154.42 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,124.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 193.50 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 26,061.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत लुढ़क कर 1,306.53 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,429.64 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,240 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 171.86 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,518 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,092.18 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 8,187.4 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की छलांग लगा कर 28,354.32 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,018.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

ग्रो का आईपीओ 4 नवंबर को लॉन्च होगा, 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली : स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियन ब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होगा। इस आईपीओ में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 3 नवंबर शुक्रवार को एंकर इनवेस्टर्स बोली लगा सकेंगे। ग्रो के प्लेटफॉर्म के जरिए म्यूचुअल फंड्स, शेयर, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंसस, इक्विटी ट्रेडेड फंड्स, आईपीओ, डिजिटल गोल्ड और अमेरिकी स्टॉक्स में निवेश किया जा सकता है। साल 2016 में शुरू हुए ग्रो प्लेटफॉर्म के पास फिलहाल 1.4 करोड़ से ज्यादा एक्टिव रिटेल इनवेस्टर हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 457.72 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जबकि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 805.45 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हो गया। इसके बाद 2024-25 में कंपनी की स्थिति में सुधार हुआ, जिसके कारण कंपनी को 1,824.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 378.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुथुरामलिंग थेवर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, थेवर गुरु पूजा महोत्सव आज

रामनाथपुरम : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को रामनाथपुरम जिले के पासुमपोन गाँव में आयोजित मुथुरामलिंग थेवर के 118वाँ जयंती महोत्सव और 63वाँ गुरु पूजा महोत्सव में हिस्सा लिया। उप राष्ट्रपति ने मुथुरामलिंग थेवर स्मारक पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आज थेवर जयंती और गुरु पूजा उत्सव राजकीय उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। सुबह 8.30 बजे उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने थेवर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और भाजपा पदाधिकारियों ने भी उनके साथ श्रद्धांजलि अर्पित की।इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिए उपराष्ट्रपति आज सुबह मदुरै हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर द्वारा पासुमपोन थेवर स्मारक के पास स्थापित हेलीपैड पर उतरे। राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन थेवर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आज मदुरै से सड़क मार्ग के जरिये पासुमपोन पहुंच रहे हैं। इससे पहले रामनाथपुरम जिले के कामुदी के पास पासुमपोन में मुथुरामलिंग थेवर का 63वाँ गुरु पूजा महोत्सव और 118वाँ जयंती महोत्सव 28 अक्टूबर को यज्ञसलाई पूजा और लक्षार्चनाई के साथ शुरू हुआ। कल 29 अक्टूबर को यज्ञसलाई पूजा और लक्षार्चनाई का दूसरा दिन था। बड़ी संख्या में लोग दूध के घड़े और मुलैपारी लेकर जुलूस में शामिल हुए। सैकड़ों लोग थेवर स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के लिए कतारों में खड़े थे। थेवर गुरु पूजा उत्सव के अवसर पर रामनाथपुरम जिले में दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक प्रेम आनंद सिन्हा के नेतृत्व में रामनाथपुरम के पुलिस उप महानिरीक्षक मूर्ति, जिला पुलिस अधीक्षक जी. संदेश और 10,000 पुलिसकर्मी सुरक्षा कार्य में लगे हुए हैं।

मुठभेड़ में विद्युत तार चोरी करने वाले चार अभियुक्त गिरफ्तार, दो को गोली लगी

फिरोजाबाद, : उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद के थाना फरिहा एवं एसओजी पुलिस टीम ने बुधवार देर रात बिजली के तार चोरी करने वाले 04 शातिर अभियुक्तों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पैर में गोली लगने से घायल दो अभियुक्तों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात अनुज चौधरी ने बताया कि थाना फरिहा प्रभारी राजीव कुमार एवं एसओजी प्रभारी प्रेम शंकर पांडेय पुलिस टीम के साथ बुधवार देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे तभी सूचना मिली कि मसरलगंज रोड़ से दभारा जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध ईको गाड़ी खड़ी हुई है। जिसमें कुछ संदिग्ध व्यक्ति हैं। गाडी में बिजली के तार रखे हुए हैं तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर अवैध असलहा भी हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक संदिग्ध गाड़ी खड़ी दिखाई दी। पुलिस टीम ने संदिग्ध गाड़ी की घेराबंदी की तो गाड़ी में सवार लोगों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जबावी कार्यवाही की। जिसमें 02 अभियुक्तों के पैर में गोली लग गयी। दोनों अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। घायल अभियुक्तों की पहचान पिन्टू उर्फ राहुल पुत्र रामसनेही निवासी ग्राम हलपुरा आखलाबाद थाना मटसेना व सीताराम पुत्र मुन्नालाल निवासी राठौर नगर आसफाबाद थाना रसूलपुर के रुप में हुई है। जबकि 02 अन्य अभियुक्त को गाडी में ही छिपने का प्रयास करते समय गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान राकेश पुत्र मुरारीलाल निवासी करीमनगर थाना ताजगंज जनपद आगरा व देवेन्द्र पुत्र राकेश निवासी अखलाबाद थाना मटसेना के रुप में हुई। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के कब्जे से 02 अवैध तमंचे, 03 जिन्दा कारतूस व 02 खोखा कारतूस, 04 बण्डल बिजली के तार (वजन करीब 01 क्विंटल, 75 किलोग्राम), 01 ईको गाडी, कटर व रस्सी बरामद हुए हैं। एएसपी ने बताया कि घायल अभियुक्तों को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त पिन्टू उर्फ राहुल के विरुद्ध जनपद फिरोजाबाद, एटा व आगरा के विभिन्न थानों पर करीब 02 दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं।

कहलगांव विधानसभा, पवन यादव बिगाड़ेंगे खेल

भागलपुर : जिले के कहलगांव विधानसभा से 9 बार कांग्रेस पार्टी से विधायक रहे स्वर्गीय सदानंद सिंह के पुत्र बीते विधानसभा चुनाव में अपने पिता की विरासत को संभालने में नाकाम रहे। उन्हें भाजपा के पवन यादव ने 42893 मतों से पराजित किया था लेकिन इस बार शुभानंद मुकेश ने जदयू का दामन थाम कर एनडीए गठबंधन से चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन इस बार का भी राजनीतिक समीकरण उनके विपरीत जाता दिख रहा है। हालांकि इस विधानसभा में चतुर्थकोनीय मुकाबला होने की संभावना दिख रही है। इस बार कहलगांव विधानसभा से झारखंड के मंत्री संजय यादव के पुत्र रजनीश यादव, कांग्रेस से प्रवीण सिंह कुशवाहा और भाजपा से टिकट नहीं मिलने से नाराज पवन यादव ने बागी तेवर अपनाते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन कराया है, जबकि भागलपुर के सांसद अजय मंडल के भाई अनुज मंडल निर्दलीय लड़ रहे हैं। कहलगांव विधानसभा सन्हौला, गोराडीह और कहलगांव प्रखंड से मिलकर बना हुआ है। यह कांग्रेस की परंपरागत सीट मानी जाती रही है। कांग्रेस ने सर्वाधिक 11 बार इस सीट पर अपना कब्जा जमाया। बिहार में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे सदानंद सिंह 9 बार कहलगांव से विधायक रहे। इसके अलावा दो बार जनता दल और एक-एक बार सीपीआई एवं जेडीयू भी यहां अपना परचम लहरा चुकी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़े पवन यादव ने सदानंद सिंह के बेटे शुभानंद को हराकर पहली बार कहलगांव में कमल खिलाया। जातिगत समीकरण की बात करें तो कहलगांव में यादव और मुस्लिम मतदाता प्रमुख भूमिका में माने जाते हैं। साथ ही ब्राह्मण, कोइरी, रविदास और पासवान जाति के मतदाता भी अच्छी संख्या में हैं। कहलगांव विधानसभा क्षेत्र गंगा नदी के किनारे बसा हुआ है। बाढ़ और कटाव की समस्या यहां प्रमुख है। इसके अलावा रोजगार, कृषि, बिजली, सड़क जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से छाए रहते हैं। यहां इस बार का चुनावी माहौल पूरी तरह से असमंजस भरा है। मतदाताओं के बीच गहरी चर्चा है कि वोट आखिर किसे दिया जाए मोदी के नाम पर, विकास के काम पर या जातीय समीकरण के हिसाब से।

पलामू में हम पार्टी का जिला अध्यक्ष गिरफ्तार

चौकीदार को पीटने और अंचल कार्यालय में हंगामा का आरोप

संवाददाता

पलामू : जिला के मेदिनीनगर सदर अंचल कार्यालय में बुधवार को हंगामा हुआ. इस हंगामे में अंचल कार्यालय में तैनात चौकीदार की पिटाई की गयी है जबकि अन्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार भी हुआ है. चौकीदार को पीटने और हंगामे के आरोप में मेदिनीनगर टाउन थाना की पुलिस ने हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को गिरफ्तार किया है.

पूरे मामले में मेदिनीनगर सदर अंचल पदाधिकारी अमरदीप बल्होत्रा ने मेदिनीनगर टाउन थाना में आवेदन दिया था. जिसके बाद एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में आशुतोष तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है.दरअसल सदर अंचल पदाधिकारी अमरदीप बल्होत्रा बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में गए थे. आरोप यह है कि आशुतोष तिवारी अंचल पदाधिकारी के पीछे-पीछे कार्यालय कक्ष में गए और हंगामा करने. हंगामा के दौरान बीच-बचाव करने आए चौकीदार के साथ गाली-गलौज की गयी एवं अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए मारपीट भी की गई है. अन्य कर्मियों ने भी बीच-बचाव का प्रयास किया लेकिन उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया.

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को गिरफ्तार कर थाना ले गई है. इस संबंध में मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि अंचल अधिकारी के आवेदन पर एफआईआर दर्ज किया गया है. इस मामले में आरोपी आशुतोष तिवारी को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

सीएस ने डॉक्टर व कर्मचारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल परिसर स्थित वेयर हाउज सभागार में स्वास्थ्य व्यवस्था के सुद्दढिकरण हेतु सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में सदर अस्पताल के सभी चिकित्सक,कर्मी एवं संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन के साथ ससमय भाग लिया। इस दौरान सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल की सेवाओं को सुद्दढ़ बनाने को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान बैठक से अनुपस्थित चिकित्सक एवं कर्मी का उक्त दिवस का वेतन मानदेय अवरूद्ध करने का निर्देश दिया।मौके पर डीएस डॉ देवेश कुमार, सभी डॉक्टर क्लर्क प्रवीण कुमार सक्सेना,क्लर्क मुकेश कुमार व अन्य मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

किसान ने सोनाली ऑटोमोबाइल्स के डीलर पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के बेगमगंज गांव के एक व्यक्ति ने साहिबगंज स्थित सोनाली ऑटोमोबाइल्स पर 50 हजार की धोखाधड़ी और थाना के माध्यम से मानसिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़ित किसान इस्माइल शेख ने साहिबगंज पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। पीड़ित इस्माइल शेख के अनुसार, उन्होंने 18 सितंबर 2024 को सोनाली ऑटोमोबाइल्स के कर्मचारी अयुष कुमार भगत को एक स्वराज ट्रैक्टर की बुकिंग के लिए 50 हजार अग्रिम राशि दिए थे। लेकिन डीलर ने न तो ट्रैक्टर दिया और न ही राशि लौटाई। मजबूरन उन्हें पश्चिम बंगाल से ट्रैक्टर खरीदना पड़ा, जिससे लगभग 1.50 लाख का आर्थिक नुकसान हुआ। उन्होंने आगे बताया कि जब उन्होंने महिंद्रा कंपनी से शिकायत कर राशि वापसी की मांग की, तो कंपनी की ओर से कार्रवाई का आश्वासन मिला। इसके बाद अचानक राधानगर थाना के पुलिसकर्मी बिना वारंट के उनके घर पहुँच गए। इस दौरान परिवार के लोग भयभीत हो गए और बच्चों में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ित किसान का आरोप है कि डीलर और थाना की मिलीभगत से उन पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई, 50 हजार की राशि की वापसी और 1.50 लाख के नुकसान की भरपाई की मांग की है। साथ ही अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

मकदमपुर में बवाल, दो कारों और बाइक में तोड़फोड़, दो हिरासत में

जमशेदपुरः परसूडीह थाना क्षेत्र के मकदमपुर में मंगलवार देर शाम तनाव फैल गया। यहां एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें दो कारों और एक बाइक में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। इस दौरान चार से अधिक लोगों के जख्मी होने की भी सूचना है। जानकारी के अनुसार, मकदमपुर रोड नंबर दो स्थित खेती इलाके में रहने वाले तहसीन अपनी पत्नी और बच्चे के साथ इलाज के लिए चिकित्सक के पास जा रहे थे। इसी दौरान मनव्वर हुसैन के बेटे अरबाज ने रास्ते में उनसे दुर्व्यवहार किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही तहसीन पक्ष के करीब 20 लोग मौके पर पहुंचे और अरबाज पक्ष से झड़प हो गई। वहां अरबाज और उसके साथ मौजूद लोगों की पिटाई की गई। थोड़ी ही देर में मनव्वर हुसैन के पक्ष से करीब 100 लोग एकत्र होकर रोड नंबर दो पर पहुंचे और गुस्से में आकर दो कारों व एक बाइक में तोड़फोड़ कर दी। इससे पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही परसूडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस ने स्थिति पर काबू पाते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया और देर रात तक इलाके में पुलिस बल की तैनाती कर दी, ताकि दोबारा गड़बड़ी न हो। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि तोड़फोड़ में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

साकची पुलिस ने मोबाइल चोर को पकड़ा, चार मोबाइल बरामद

जमशेदपुर : साकची थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी की एक घटना का महज कुछ ही घंटों में पदार्फाश कर दिया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए चोरी गए चार मोबाइल बरामद किए हैं। इनमें एक मोबाइल रामगढ़ जिला के चितरपुर निवासी बहादुर अली का था। जानकारी के अनुसार, 25 अक्तूबर की रात बहादुर अली अपने निजी कार्य से साकची बाजार पहुंचे थे। बाजार में भीड़ के बीच उनका मोबाइल किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। फोन गायब होने का एहसास होते ही उन्होंने तत्काल साकची थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ने शिकायत मिलते ही टीम का गठन कर जांच शुरू की।

पुलिस ने तकनीकी निगरानी के साथ अपने गोपनीय सूत्रों को सक्रिय किया। जांच के दौरान मिले सुराग के आधार पर पुलिस की टीम ने पुरुलिया जिला के कांटाडीह निवासी दुर्गा सिंह को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया और चोरी किए गए मोबाइल के ठिकाने की जानकारी दी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने शहर के अलग-अलग स्थानों से कुल चार फोन बरामद किए, जिनमें बहादुर अली का मोबाइल भी शामिल है। पुलिस अब आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है और यह भी जांच कर रही है कि क्या चोरी की इस वारदात में उसके साथ अन्य लोग भी शामिल थे या वह अकेले ही अपराध को अंजाम देता था।

धनबाद में मोंथा का दिखा असर, धान को क्षति का डर

धनबाद : चक्रवाती तूफान मोंथा ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। बुधवार की सुबह से ही धनबाद में मोंथा तूफान का असर दिखने लगा। बुधवार की सुबह से शाम तक रुक-रुककर बारिश होती रही। कुछ क्षेत्रों में जलजमाव हुआ। तूफान के कारण कई राज्यों में भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। धनबाद में भी तीन दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। चक्रवाती तूफान के चलते मौसम में अचानक आए बदलाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बादल छाने के साथ बूंदाबांदी होने से किसानों के चेहरे पर मायूसी छा गई है। उन्हें फसलों के नुकसान की चिंता सता रही है। कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि अबतक किसानों से फसल की क्षति की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि किसान कुछ दिन रुककर खेतों में कटाई शुरू करें। अगर किसी किसान के फसल को नुकसान होता है तो फसल बीमा से संबंधित बेवसाइट पर 24 घंटे में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस बार धनबाद में 35 हजार हेक्टेयर में धान की फसल हुई है। इस बाबत कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा ने कहा कि अगर बारिश होती रही तो सबसे ज्यादा धान की फसल को नुकसान होगा, लेकिन अबतक कहीं से भी फसल बर्बाद होने की जानकारी नहीं मिली है। वर्तमान में धान कटनी का समय है। ऐसे में किसान कुछ दिन रुक कर खेतों में कटाई करें। जमीन पर गिरकर धान के मिट्टी के संपर्क में आने पर अंकुरित होने की संभावना है। धान खाने लायक रहेगा, लेकिन बीज के लायक नहीं रहेगा।

चोरी के प्रयास में एक युवक गिरफ्तार

जमशेदपुर : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह बाजार में गुरुवार रात हुए चोरी के असफल प्रयास मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। घटना के बाद पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है, वहीं उसके तीन फरार साथियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने आसपास के दुकानों के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, ताकि फरार युवकों की पहचान की जा सके। घटना गुरुवार को अशोक स्टोर नामक राशन दुकान में हुई थी। चार युवक, जो नशे की हालत में थे, बाइक और स्कूटी पर सवार होकर दुकान पर पहुंचे थे। उन्होंने पहले कुछ सामान खरीदा और फिर अधिक सामान मांगने लगे।

लोकल ट्रेनों में छठ के बाद उमड़ रही भीड़

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन से छठ के बाद लोकल ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। गुरुवार को इतवारी, गुवा और इस्पात एक्सप्रेस के समय जनरल टिकट केंद्र और ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन के पास अफरातफरी का माहौल कायम था। बताया जाता है कि, चाकुलिया पुरुलिया और खड़गपुर की एक-एक मेमू ट्रेन रद्द होने से भी कोल्हान के अन्य ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ ज्यादा है।

चोरी के सामान के साथ नाबालिग पकड़ा गया, ग्रामीणों ने सौंपा पुलिस को

साहिबगंज/उधवाः राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा स्थित भुदेव टोला गांव में बुधवार को ग्रामीणों ने चोरी के सामान के साथ एक नाबालिग को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से गांव और आसपास के इलाकों में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही थीं। घरों से मोबाइल फोन, बर्तन, नगदी समेत अन्य सामान गायब हो रहे थे, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश और असुरक्षा की भावना बढ़ गई थी। इसी बीच कुछ ग्रामीणों को सूचना मिली कि चोरी के कई सामान एक नाबालिग के घर में छिपाकर रखे गए हैं। ग्रामीणों ने जब उक्त घर की तलाशी ली, तो वहां से चोरी की गई कई वस्तुएं बरामद हुईं। इसके बाद मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए और मामले की सूचना राधानगर थाना पुलिस को दी गई।

पुलिस के ऑपरेशन लंगड़ा का शिकार बना गोपला, 10 मिनट तक चला एनकाउंटर

संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड पुलिस के ऑपरेशन लंगड़ा की जमशेदपुर में दूसरी कड़ी पूरी हुई, जब 10 मिनट के एनकाउंटर में रवि महानंद उर्फ गोपला को पुलिस की गोली लगी। कुल 10 मिनट तक ऑपरेशन चला। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में घायल रवि महानंद पहले एक वाहन चोर था। उसे पुलिस ने 17 मई 2023 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उसके साथ गोलमुरी टुइलाडुंगरी चार नंबर लाइन निवासी अमित मुंडा, सागर कालिंदी, बमामाइंस ईस्ट प्लांट बस्ती का बिट्टू कालिंदी, टुइलाडुंगरी लाइन नंबर पांच का वासुदेव बेहरा उर्फ सुरु जेल भेजे गए थे। उनके पास से 6 बाइक बरामद की गई थी। छह महीने में ही वह जेल से बाहर निकल गया।

दशरथ शुक्ला की जब हरेराम सिंह के बेटे हरीश सिंह से अनबन हुई तो जमशेदपुर में गिरोह के लिए शूटरों का इंतजाम किया जाने लगा। शुक्ला का सम्पर्क लक्ष्मीनगर के आकाश सिंह से हुआ। आकाश ने केबुल टाउन के राजेश से सम्पर्क किया, जिसने अपने साथ रवि महानंद गोपला और काशीडीह के कोंदू उर्फ कोंदू पाजी को जोड़ लिया। कोंदू, राजेश और गोपला को हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग करने के लिए तैयार किया गया। हथियार रांची से लाकर उन्हें सौंपा और फायरिंग के बाद हथियार लेकर रांची जा रहा था, जहां बुंडू में उसे गिरफ्तार कर लिया। रात में फायरिंग से चौंके लोग, तीन लोग थे कमरे, दो भागे सोमवार रात लगभग 1.55 बजे डीएसपी भोला प्रसाद के नेतृत्व वाली टीम सिदगोड़ा के एक पुराने क्वार्टर को चारों तरफ से घेर लेती है। टेक्निकल सेल ने पहले ही संदिग्ध की लोकेशन पक्की कर दी थी। इस बीच पुलिस टीम आवाज लगाती है, आत्मसमर्पण कर दो, बाहर निकलो, पर अंदर से जवाब नहीं आता। तभी अचानक अंदर से फायरिंग शुरू हो जाती है। पहली गोली चलने के साथ ही कार्रवाई तेज हो गई। फिर एक गोली डीएसपी भोला प्रसाद के पास से निकलती हुई दीवार में धंसती है। जवाबी फायरिंग में अंदर से चीख-पुकार सुनाई देती है। कुछ ही पलों में एक युवक कराहते हुए बाहर आता है। यह रवि महानंद उर्फ गोपला था, जिसके दाहिने पैर में गोली लगी थी। उसे तुरंत पकड़कर पुलिस वाहन से सीधे एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंची। मौके से बरामद सामान को देखकर पता चला कि वहां कोई और भी था, क्योंकि तीन प्लास्टिक ग्लास और नाश्ते के पैकेट (चनाचूर और कुरकुरे) वहां थे। कम से कम तीन लोग कमरे में मौजूद थे। पुलिस तुरंत इलाके में नाकेबंदी करती है और फरार साथियों की तलाश में कई टीमों को भेजती है। उसके बाद क्वार्टर के बगल के तीनों मकान की तलाश ली जाती है, लेकिन कोई नहीं मिलता। 2023 में साजन मिश्रा को लगी थी गोली इससे पहले 27 जुलाई 2023 को पुलिस ने घाटशिला थाना क्षेत्र कापागोड़ा के एक ढाबे में बर्थ पार्टी मना रहे अपराधियों से पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। उस समय एसएसपी प्रभात कुमार थे। इसमें अपराधी और अमरनाथ गिरोह का सदस्य साजन मिश्रा घायल हो गया था। उसके साथ 7 अन्य लोग पकड़े गए थे। उसके बाद एनकाउंटर पर विराम लग गया था। लेकिन अब जब झारखंड में दोबारा ऑपरेशन लंगड़ा शुरू हुआ तो इसके पहले निशाने पर रवि महानंद उर्फ गोपला बना। अखिलेश सिंह भी हुआ था घायल इससे पहले अपराधी अखिलेश सिंह को 11 अक्तूबर 2017 को गुरुग्राम से जमशेदपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के वक्त भी उसके दोनों पैर में गोली मारी गई थी। उस ऑपरेशन का नेतृत्व तत्कालीन ग्रामीण एसपी प्रभात कुमार कर रहे थे। रांची और जमशेदपुर की फोरेंसिक टीम ने की जांच घटना के बाद रांची से तीन सदस्यीय फोरेंसिक टीम पहुंची और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर जांच की। इस दौरान टीम को कई अहम सुराग मिले। मौके से पुलिस ने खोखे, पिलेट, पिस्तौल और शराब की बोतल जब्त की। टीम ने पूरे क्षेत्र की बारीकी से फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर साक्ष्य एकत्र किए। विशेषज्ञों ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सील कर जांच प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने जांच के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

31 को आंवला नवमी और 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी

जमशेदपुर : कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर अक्षय नवमी का त्योहार मनाया जाता है। इस बार 31 अक्तूबर को अक्षय नवमी है। वहीं, 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। इस दिन चातुर्मास का समापन होगा। इस दिन से सभी मांगलिक कार्य भी शुरू हो जाएंगे। अक्षय नवमी का त्योहार जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। मान्यता है कि इस तिथि पर आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन बनाने और भोजन ग्रहण करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर शुभ मुहूर्त में उपासना करने से जातक के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। इस त्योहार को आंवला नवमी के नाम से भी जाना जाता है। आंवले के वृक्ष की पूजा से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। स्नान, पूजन, तर्पण और अन्नादि के दान से अक्षय फल की प्राप्ति संभव है। पुरोहित संतोष त्रिपाठी ने बताया कि अक्षय नवमी पर गुप्त दान का भी विधान है। गुप्त दान से जातक को विशेष तौर पर लाभ मिलता है। वहीं, किसी मन्नत को मांगने या पूर्ण होने के बाद भी लोग गुप्त दान करते हैं। दूसरी ओर, देवउठनी एकादशी सबसे महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं। इसके बाद से सभी मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। पंचांग के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरूआत 30 अक्तूबर को सुबह 10.06 बजे से होकर अगले दिन 31 अक्तूबर को सुबह 10 बजकर 03 मिनट पर नवमी तिथि समाप्त होगी। संतोष त्रिपाठी ने बताया कि कोई भी महत्वपूर्ण तिथि में उदया तिथि को माना जाता है। इसलिए इस बार अक्षय नवमी 31 अक्तूबर को मनाई जाएगी।

चरित्र सत्यापन से संबंधित प्रतिवेदन समय-सीमा से भेजें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में सामान्य शाखा से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों में नियुक्त व्यक्तियों के चरित्र सत्यापन मानवाधिकार आयोग और लोकायुक्त कार्यालय से संबंधित लंबित मामलों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि चरित्र सत्यापन से संबंधित प्रतिवेदन समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से भेजे जाएं ताकि किसी भी नियुक्ति प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार आयोग एवं लोकायुक्त कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों पर संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए और उनकी प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रेषित की जाए।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता और जवाबदेही प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे हेतु संबंधित शाखा के कर्मियों को निर्देशित किया।बैठक में सामान्य शाखा से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

आईईडी ब्लास्ट में घायल इंस्पेक्टर केके मिश्रा का निधन

रांची : इंस्पेक्टर केके मिश्रा, जो 11 अक्टूबर 2025 को एक आईईडी ब्लास्ट में गंभीर रूप से घायल हुए थे,। गुरुवार सुबह एम्स नई दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया।वे एफ/60 कंपनी का नेतृत्व करते हुए एसीएल एडलबेड़ा-2, जराईकेला-समथा-बाबूदेरा एक्सिस (उत्तर सरंडा) क्षेत्र में ऑपरेशन पर थे, जब लगभग 1600 घंटे पर विस्फोट हुआ। घायलों को निकालते समय लगभग 100 मीटर दूरी पर दूसरा आईईडी विस्फोट भी हुआ।

दल ने अत्यंत कठिन भू-भाग, कीचड़ भरे रास्ते और दो बड़ी नालियों को पार करते हुए घायल कर्मियों को लगभग 4 किमी पैदल और 3 किमी ट्रैक्टर द्वारा ले जाकर एम्बुलेंस तक पहुँचाया, जहाँ यूनिट के मेडिकल ऑफिसर और मेडिकल टीम साथ थी।

इंस्पेक्टर मिश्रा को सड़क मार्ग से अपोलो हॉस्पिटल, राउरकेला ले जाया गया, जहाँ रात में उनका ऑपरेशन किया गया। अगले दिन उन्हें एयर एम्बुलेंस द्वारा अक्क्टर, नई दिल्ली रेफर किया गया था।

बस और ट्रेलर की टक्कर में एक की मौत, 12 घायल

टुंडी : गिरिडीह-गोविंदपुर सड़क पर टुंडी थाना क्षेत्र के कमलपुर गादी जंगल में बस और ट्रेलर के बीच आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। घटना बुधवार की दोपहर एक बजे की है। हादसे में ट्रेलर चालक मंसूर खान (42) की मौत हो गई, जबकि बस सवार एक दर्जन यात्री घायल हो गए। मृतक मंसूर जमशेदपुर के मानगो का निवासी था। बताया गया कि मिश्रा यात्री बस बोकारो से गिरिडीह जा रही थी। ट्रेलर जमशेदपुर के रिंकू सिंह का था और गिरिडीह से धनबाद जा रहा था। कमलपुर जंगल के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने इतनी जबरदस्त टक्कर थी कि बस और ट्रेलर के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यात्रियों ने बताया कि बस चालक बेतरतीब तरीके से गाड़ी चला रहा था। कई यात्रियों ने उसे धीमी गति से वाहन चलाने की भी सलाह दी थी, लेकिन उसने किसी की बात नहीं सुनी। इस कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी उमाशंकर, बीडीओ विशाल पांडेय और सीओ सुरेश प्रसाद बरनवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रेलर चालक मंसूर खान को मशक्कत के बाद केबिन से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टुंडी लाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से जख्मी लोगों को धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया, जहां इमरजेंसी में गंभीर रूप से घायल मंसूर खान ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। एक घंटे बाद मिली एंबुलेंसः सीएचसी से रेफर गंभीर घायलों को धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने के लिए तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं हो सकी। काफी प्रयास के बाद लगभग एक घंटे बाद एंबुलेंस सीएचसी पहुंची। इसके बाद घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। एंबुलेंस मिलने में देरी को लेकर यात्रियों में काफी आक्रोश था। ये हैं घायलः सड़क हादसे में बस सवार बांका जिले के भुटियारी गांव निवासी आनंद राय समेत उनके परिवार के चार लोग घायल हो गए हैं, जिनमें मनीष राय, रंजीत राय और अटल राय शामिल हैं। इसके अलावा टुंडी के करमाटांड़ की मीना मुर्मू और रंजीत किस्कू घायल हैं। गिरिडीह के भोरंडीहा निवासी जगदीश गोप, ममता देवी और प्रीति देवी भी जख्मी हो गए। इन घायलों के अलावा कई अन्य लोग भी घायल हैं, जो अपना नाम-पता बताने की स्थिति में नहीं हैं।

नगर निकाय चुनाव मजबूती से लड़ेगी कांग्रेसः अजय

धनबाद : हाउसिंग कॉलोनी स्थित जिला कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को धनबाद नगर निगम क्षेत्र के वार्ड अध्यक्षों की बैठक हुई। मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह धनबाद नगर निगम के प्रभारी अजय दुबे ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस मजबूती के साथ लड़ेगी। वार्ड स्तर पर संगठन को मजबूत करने की तैयारी में कार्यकर्ता अभी से जुट जाएं। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने की। प्रभारी ने कहा कि जमीनी कार्यकर्ता ही संगठन की शक्ति का मुख्य आधार है। वार्ड अध्यक्ष अपने-अपने वार्ड में अपनी सक्रियता और तेज करें।